कृष्ण पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 217 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 फरवरी 2025 शनिवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

स्टार्टअप के लिए 10000 करोड का फंड,कैंसर व गंभीर बीमारियों की दवा ड्यूटी फ्री, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट अब 5 लाख

12 लाख की आय को टैक्स फ्री किया गया, मध्यम वर्ग को राहत

मोदी सरकार का ज्ञान.. गरीब, युवा, अन्नदाता व नारी शक्ति के साथ फोकस में मिडिल क्लास

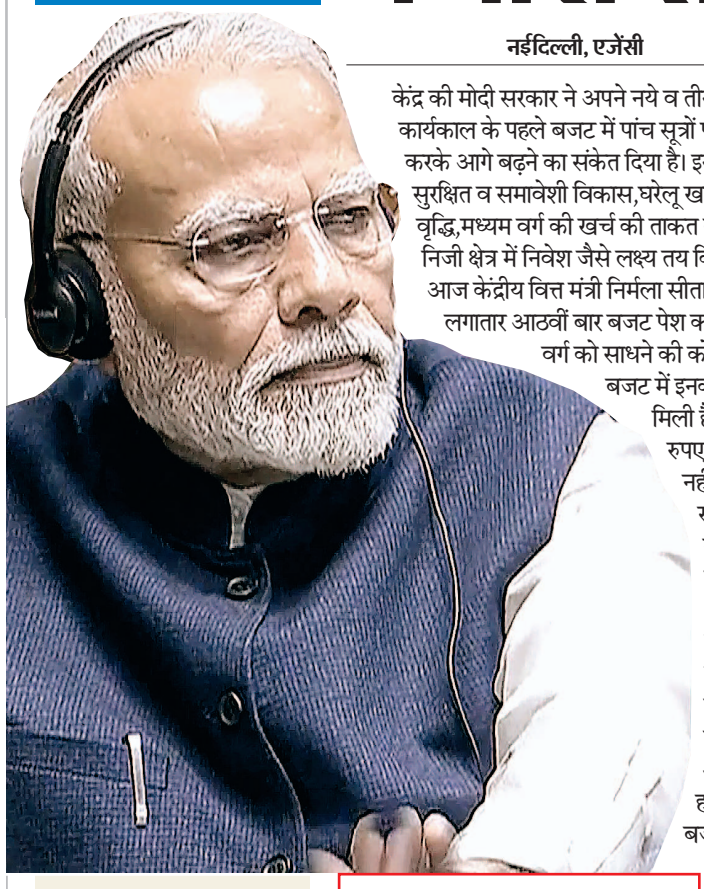

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र की मोदी सरकार ने अपने नये व तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में पांच सूत्रों पर फोकस करके आगे बढ़ने का संकेत दिया है। इसके जरिए सुरक्षित व समावेशी विकास,घरेलू खर्च में वृद्धि,मध्यम वर्ग की खर्च की ताकत को बढाने व निजी क्षेत्र में निवेश जैसे लक्ष्य तय किये गये हैं। आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार आठवीं बार बजट पेश करते हुए कई वर्ग को साधने की कोशिशें की।

बजट में इनकम टैक्स पेयर्स को बड़ी राहत मिली है। अब सालाना 12.75 लाख रुपए तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वहीं अब पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न भी एक साथ फाइल कर सकेंगे। सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख कर दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा, हमारा फोकस 'GYAN' पर है। मतलब- गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति। 10 साल में हमने बहुमुखी विकास किया है बजट 5 क्षेत्रों पर फोकस है। इनमें विकास में तेजी, सुरक्षित समावेशी विकास, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा, घरेलू खर्च में वृद्धि, भारत के उभरते मध्यम वर्ग की खर्च शक्ति को बढ़ाना प्रमुख हैं।अब चमड़ा और लेदर के प्रोडक्ट्स सस्ते हो जाएंगे. क्योंकि इसपर इम्पोर्ट ड्यूटी फ्री किया गया है। कपड़ा-एलईडी टीवी सस्ता होगा तथा मोबाइल, लिथियम बैट्री और इलेक्ट्रिक वाहन भी सस्ते हो जायेंगे। हालांकि लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने महाकुंभ भगदड़ पर चर्चा को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। जैसे ही वित्त मंत्री ने भाषण शुरू किया, विपक्ष ने नारेबाजी की और बजट पर बर्हिगमन किया। सभी सांसद कुछ देर बाद सदन में लौट आए।

अगले हफ्ते आएगा नया आयकर बिल,होंगे बड़े बदलाव

बजट में आयकर को लेकर सरकार की घोषणाओं पर निगाहों के बीच सीतारमण ने बड़ा ऐलान किया और कहा कि अगले हफ्ते नया इनकम टैक्स बिल को संसद में रखा जाएगा। जिससे कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। माना जा रहा है कि टैक्स रिजीम में फेरबदल होने वाला है। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। बताते हैं कि हाल ही में यह मसौदा विधि मंत्रालय के पास था। नया आयकर कानून लाने का मुख्य मकसद मौजूदा आयकर एक्ट को आसान, स्पष्ट और समझने योग्य बनाना है। इसमें अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। कर विवादों को कम किया जाएगा, करदाता के लिए अनुपालन आसान बनाया जाएगा.

बजट के बड़े ऐलान

- 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के प्रयास।
- कपास पैदावार बढ़ाने 5 साल का मिशन, ताकि कपड़ा उद्योग मजबूत हो।
- किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख।
- बिहार में मखाना बोर्ड बनाकर छोटे किसानों और व्यापारियों को फायदा।
- छोटे उद्योगों को विशेष क्रेडिट कार्ड, पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे।
- एमएसएमई के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़,1.5 लाख करोड़ तक का कर्ज भी।
- स्टार्टअप के लिए लोन 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जाएगा। गारंटी फीस में भी कमी होगी।
- खिलौना उद्योग के लिए मेक इन इंडिया के तहत विशेष योजना शुरू की जाएगी।
- आईआईटी पटना का विस्तार, एक्सीलेंस फॉर आर्टिफिशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ रुपए।
- चिकित्सा शिक्षा में 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ेंगी
- सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर की सुविधा। 200 केंद्र बनाए जाएंगे।
- शहरी मजदूरों के हालात सुधारने स्ट्रीट वेंडर्स हेतु पीएम स्वनिधि स्कीम की लोन लिमिट बढ़कर 30 हजार रुपए।
- स्कूल और उच्चतर शिक्षा के लिए भारतीय भाषा में पुस्तकें उपलब्ध होंगी। 5 राष्ट्रीय कौशल केंद्र स्थापित होंगे। आईआईटी क्षमता विस्तार किया जाएगा।

अब टैक्स का नया स्लैब

0 से 12 लाख	0 % टैक्स
12 से 15 लाख	15 % टैक्स
15 से 20 लाख	20 % टैक्स
20 से 25 लाख	25 % टैक्स
25 से अधिक	30 % टैक्स

पीएम मोदी ने सराहा तो अखिलेश ने घेरा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश कर दिया लेकिन इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, %हमारे लिए बजट नहीं पर कुंभ में मरने वाले आंकड़े ज्यादा महत्वपूर्ण हैं. हम इनके कोई आंकड़े क्या माने, जो लोग मरने वालों के ही आंकड़ें नहीं दे सकते। दूसरी तरफ बजट पेश होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी निर्मला सीतारमण के पास पहुंचे। जिस जगह सदन में निर्मला सीतारमण बैठी थीं, पीएम ने वहां पहुंचकर उन्हें अच्छे बजट के लिए बधाई दी. उन्होंने यह भी कहा कि हर कोई आपकी तारीफ कर रहा है, क्योंकि बजट बहुत अच्छा है।

77 मिनट का बजट भाषण, 5 बार पीया पानी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज जब 8वीं बार देश का बजट पेश किया तो वे गोल्डन बॉर्डर वाली क्रीम कलर की मधबुनी पेंटिंग की साड़ी पहनकर संसद पहुंचीं। इससे पहले वे राष्ट्रपति भवन गईं, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें दही चीनी खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद सीतारमण टैबलेट लेकर संसद भवन पहुंचीं। 11.01 मिनट पर सीतारमण ने बजट भाषण शुरू किया। 1 घंटा 17 मिनट के बजट भाषण के दौरान उन्होंने 5 बार 11.24 बजे, 11.27 बजे, 11.44 बजे, 11.56 बजे और 12.16 बजे पानी पिया। बजट भाषण शुरू होते समय भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कुम्भ की अव्यवस्थाओं पर हंगामा किया तो स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें रोका

बजट के दौरान बाजार फिसला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब लोकसभा में बजट पेश कर रही थीं उस दौरान शेयर बाजार में दिन के ऊपरी स्तर 77,899 से 759 की गिरावट देखने को मिल रही थी। सेंसेक्स करीब 350 अंक की गिरावट के साथ 77,140 के स्तर पर कारोबार कर रहा था तो निफ्टी में 60 अंक की तेजी दिखी।

बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सीमा 100 फीसदी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में बीमा क्षेत्र के लिए बड़ा एलान किया है। वित्त मंत्री ने बीमा क्षेत्र के लिए एफडीआई की सीमा 74त्न से बढ़ाकर 100त्न करने की बात कही। उन्होंने कहा है कि पेंशन उत्पादों के नियामकीय समन्वय व विकास के लिए फोरम की स्थापना की जाएगी। केवआईसी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए 2025 में संशोधित केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री शुरू की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा, ÷आयकर के मामले में इस बात पर जोर दिया जाएगा कि पहले विश्वास करें, फिर छानबीन करें। नया आयकर कानून अगले हफ्ते आएगा। बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 74त्न से बढ़ाकर 100त्न किया जाएगा। इससे बीमा कंपनियां द्वारा ग्राहकों से मिलने वाली पूरी प्रीमियम राशि को भारत में ही निवेश कराना सुनिश्चित किया जा सकेगा। जन विश्वास बिल 2.0 के तहत 100 से ज्यादा प्रावधानों को अपराध के दायरे से हटाया जाएगा।÷

सोने की कीमतें आज भी रहीं 'बेकाबू'

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय बजट पेश होने से पहले से ही आज भी सोने की कीमतों में जबर्दस्त उछाल का दौर रहा है। इसने अपने पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर शनिवार को वायदा कारोबार के दौरान जहां सोने का भाव ये 82,600 रुपये तक पहुंच गया, तो वहीं घरेलू मार्केट में भी ये पहले से ही रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। बीते साल के पूर्ण बजट में बजट वाले दिन कस्टम ड्यूटी घटाए जाने के बाद गोल्ड प्राइस में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी. लेकिन आज शनिवार को इसका भाव खूब चढ़ा और 4 अप्रैल की एक्सपायरी वाले गोल्ड की कीमत 82,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। कल भी सोने का भाव चढ़ा था।

सीएम की जापान यात्रा खत्म, आज शाम पहुंचेंगे दिल्ली

रात में करेंगे भाजपा का चुनाव प्रचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सीएम डॉ. मोहन यादव की चार दिवसीय विदेश यात्रा खत्म हो गई है। वह शनिवार शाम दिल्ली पहुंचेंगे लेकिन भोपाल नहीं आएंगे। दिल्ली में ही रात्रि विश्राम करेंगे। इसके पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे और उनका समर्थन मांगेंगे। सीएम 27 जनवरी को जापान गए थे। वह जापान के अलग–अलग शहरों में गए। वहां जापानी कंपनियों के अधिकारियों व निजी उद्योगपतियों से वन–टू–वन चर्चा की। उन्हें भोपाल में 24 व 25 फरवरी को होने वाली जीआईएस का न्यौता दिया। साथ ही मप्र में जापान से निवेश लाने की तमाम संभावनाओं के प्रयास किए। उसके बाद दिल्ली लौट रहे हैं। वह संभवत- रविवार शाम को भोपाल लौटेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव इसके पहले नवंबर 2024 में यूके और जर्मनी गए थे। वहां से हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे।

बजट: चिदंबरम से आगे और मोरारजी से पीछे हैं सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार आठवां बजट पेश किया है। यह एक रिकॉर्ड है। हालांकि सबसे ज्यादा बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड मोरारजी देसाई के नाम है। फर्क ये है कि उन्होंने अलग-अलग कार्यकालों के दौरान बजट पेश किया था। सीतारमण 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद पहली बार वित्त मंत्री बनी थीं। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए पूर्ण बजट उनके द्वारा पेश किया गया पहला यूनियन बजट था। उस साल के लिए अंतरिम बजट पीयूष गोयल ने पेश किया था। तब से अब तक सीतारमण लगातार बजट पेश कर रही हैं। ये मोदी 3.0 का पहला पूर्ण बजट भी है। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट को पेश किया था। उनके पास 11वीं बार भी बजट पेश करने का मौका था लेकिन जुलाई 1969 में उन्होंने इंदिरा गांधी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया तो तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने बजट पेश किया। बजट पेश करने के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम दूसरे नंबर पर हैं।

पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक में भीषण आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के साहिबाबाद में पेट्रोल पंप के पास खड़े एलपीजी गैस सिलिंडर से भरे ट्रक में सुबह भीषण आग लग गई। ट्रक में बड़ी संख्या में भरे गैस सिलिंडर थे। देखते ही देखते धमाकों के साथ भीषण आग फैलने लगी। सिलिंडर में एक के बाद एक हुए धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। ट्रक में हुए गैस सिलिंडर में धमाकों के बाद मौके से कई सौ मीटर दूर डिफेंस कॉलोनी में फटे हुए सिलिंडर के टुकड़े मिले हैं। जिससे लोग बाल-बाल बच गए। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। आग की चपेट में दो घर और कई वाहन आ गए हैं। सुबह करीब 4-30 बजे गैस लीकेज की वजह से आग लग गई। आग लगते ही ट्रक चालक मौके से भाग गया।

पहली तारीख: कमर्शियल सिलेंडर सस्ता, हवाई फ्यूल व गाड़ियां महंगी

नईदिल्ली, एजेंसी

हर महीने की पहली तारीख से होने वाले बदलाव के तहत आज एक फरवरी से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 7 रुपए तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में अब ये 1797 रुपए का मिलेगा। मप्र समेत अन्य राज्यों में भी इसकी कीमतें कम होंगी। वहीं मारुति सुजुकी ने अपनी गाड़ियों की कीमतें 32,500 रुपए तक ब?ा दी है। जिन मॉडलों की कीमत में यह बदलाव होगा, इनमें ऑल्टो च10, एस-प्रेसो, सेलेरियो, वैगन आर, स्विफ्ट, डिजायर, ब्रेज़ा, अर्टिगा, इग्निस, बलेनो, सियाज, फ्रोंक्स, इनविक्टो, जिम्नी और ग्रैंड विटारा शामिल हैं। इस बदलाव के चलते अब हवाई सफर महंगा हो सकता है । क्योंकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एयर ट्रैफिक फ्यूल की कीमतों को बढ़ाया है। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक ने कुछ चीजों के सर्विस चार्ज में बढ़ोतरी की है। कोटक बैंक ने डेबिट कार्ड धारकों के लिए फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट में बदलाव किया है। बैंक ने इस बदलाव की जानकारी अपने ग्राहकों को ईमेल के जरिए दी है। हालांकि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तिवारी बोले-बजट भी प्रेसिडेंट एड्रेस की तरह निरर्थक परंपरा

नईदिल्ली, एजेंसी

आज संसद में केंद्रीय बजट पेश होने से कुछ घंटे पहले कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बजट प्रक्रिया की आलोचना की। उन्होंने इसे एक %अकाउंटिंग एक्सरसाइज% बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर एक पोस्ट में तिवारी ने इसे %राष्ट्रपति के अभिभाषण की तरह यूजलेस% बताय तथा लिखा- %बजट क्या है... यह एक अकाउंटिंग एक्सरसाइज से ज्यादा कुछ नहीं है। सरकार ने कितना कमाया और कितना खर्च किया, पिछले कुछ वर्षों में यह वित्त मंत्री के लिए एक वार्षिक भव्य अनुष्ठान बन गया है।% उन्होंने लिखा, %यह प्रेसिडेंट एड्रेस की तरह ही एक यूजलेस रिचुअल है। सरकार की कमाई और खर्च का विवरण सिर्फ सदन के पटल पर रखा जा सकता है।% इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण की आलोचना करते हुए एक पोस्ट में लिखा था कि दुर्भाग्यवश, राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की कथित उपलब्धियों की लंबी-चौड़ी सूची को दोहराने से अधिक कुछ नहीं है. राष्ट्रपति को इस वार्षिक शर्मिंदगी से बचना चाहिए तथा भारत के राष्ट्रपति को अपने मन की बात कहने की अनुमति दी जानी चाहिए।% तिवारी के पहले सोनिया गांधी द्वारा भी बजट भी की गई टिप्पणी को लेकर विवाद जारी है।

बसंत पंचमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर में बसंत पंचमी के आते ही खेतों में बसंत के फूल खिलते हुए।

प्रतिमा तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बसंत पंचमी के लिए मां सरस्वती की प्रतिमा तैयार होती हुई। *फोटो निर्मल व्यास*

बरखेड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज

ऐशबाग ब्रिज पर जल्द दौड़ने लगेगा ट्रैफिक, रिटेनिंग वॉल का काम बाकी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरखेड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज में 90 मीटर की रिटेनिंग वॉल का काम बाकी है। अगले माह इस ब्रिज से भी ट्रैफिक दौड़ने लगेगा। करीब छह साल से रेलवे क्रॉसिंग की दिक्कत दूर हो जाएगी। बीते 22 माह से इसका काम जारी है। लोक निर्माण विभाग फरवरी आखिर तक इसे लोकार्पण के लिए तैयार हो जाने का दावा कर रहा है। वहीं ब्रिज का कार्य करने वाले अधिकारियों ने बताया कि रिटेनिंग वॉल का काम बाकी है। इसे तेजी से पूरा किया जा रहा है। अगले माह इसे शुरू कर दिया जाएगा।

इन्हें होगा फायदा

ऐशबाग, चाणक्यपुरी, नवीननगर, बाग दिलकुशा, बाग फरहत अजा, छह नंबर प्लेटफार्म के पास का क्षेत्र, पुष्पानगर, महामाई का बाग, चांदबड़ समेत करीब 20 क्षेत्रों के निवासियों को लाभ मिलेगा। ओवरब्रिज के निर्माण से ऐशबाग क्षेत्र के लोगों को लंबा चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रोजाना करीब तीन लाख की आबादी लाभान्वित होगी।

ऐशबाग ब्रिज एक नजर

- रेल्वे क्रॉसिंग क्रमांक 250 ऐशबाग स्टेडियम के पास बन रहा आरओबी - इसमें 22 नग फाउंडेशन व पीयर, 23 स्लेब बिछाई गई
- रेल्वे ओबरब्रिज की लंबाई 648 मीटर है, जबकि चौड़ाई 8.4 मीटर है।
- 21 मार्च 2023 को शुरू किया गया, जिसे सितंबर 2024 में इसे पूरा करना था
- 05 माह की देरी से काम चल रहा है

तीन लाख से अधिक लोगों को सीधेतौर पर लाभ होगा

बरखेड़ी फाटक करीब छह साल पहले तीसरी रेल लाइन के लिए बंद कर दिया गया था। इससे लोग करीब दो किमी का चक्कर लगाकर लोगों को पातरा अंडरब्रिज से आगे जाना पड़ता है। दिनभर आवाजाही से यहां भी जाम जैसे हालात होते हैं। पैदल जाने के लिए एक एफओबी बनाया जा रहा है, लेकिन ये जब पूरा होगा, तभी लाभ मिलेगा। तीन लाख से अधिक लोगों को सीधेतौर पर लाभ होगा।

सिविल अस्पताल के महिला वार्ड के बॉथरूम में नवजात मिला

अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिविल अस्पताल (बैरागढ़) संतनगर के बाथरूम में एक नवजात मिला है, पुलिस मामले में नवजात की मां और तीन अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है। जिन पर अस्पताल में नवजात को छोड़ने का शक है। जानकारी के अनुसार सुबह 9.30 अस्पताल के महिला वार्ड के बॉथरूम में नवजात की आवाज सुनाई देने पर नर्स ने डॉक्टर को बताया। नवजात करीब सात माह का प्री मैच्योर है। बच्चे को वजन कम होने से जयप्रकाश चिकित्सालय भेजा गया है, जहां उसकी सेहत ठीक है। अस्पताल की सूचना पर बैरागढ़ पुलिस ने मौके का मुआयना किया। इसके बाद अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटैज देख। एक कैमरे से चार लोग आते दिखाई दे रहे हैं। माना जा रहा है बाथरूम में बच्चे को फेंका गया है। बाथरूम के दरवाजे पर खून के निशाने होने से यह आशंका है बाथरूम में डिलेवरी हुई होगी। पुलिस ने महिला वार्ड में भर्ती महिलाओं से भी पूछताछ की है। कहा जा रहा है कोई भी भर्ती महिला अस्पताल से गायब नहीं हुई है। वहीं सुरक्षा की बात करे तो महिला वार्ड में सुरक्षा व्यवस्था नजर नहीं आई। एक महिला महिला वार्ड के बाथरूम में नवजात को छोड़कर आसानी से चली गई। गार्ड और कर्मचारियों को पता तक नहीं लगा। कुछ कैमरे बंद भी मिले हैं। वार्ड तक आने वाला कैमरा और निकलने वाले दूसरे दूर लगे कैमरे में फुटैज कैप्चर हुए हैं। सिविल अस्पताल अधीक्षक जेके जैन ने कहा कि मामले की जाचं की जा रही है। पुलिस और हम अपने स्तर पर तहकीकात कर रहे हैं, सुरक्षा में लापरवाही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

इंदिरा बतरा की स्मृति में बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ज्वाला कान्वेंट स्कूल में शिक्षाविद समाजसेविका इंदिरा बतरा की स्मृति में जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चादवानी थे। चांदवानी ने कहा कि बतरा परिवार द्वारा बच्चों को शिक्षित कर उनकी सेवा कर अपनी माता के सपनों को साकार किया जा रहा है। अत्यंत ही सेवा का कार्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदू हेल्पलाइन के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश रायचांदनी ने कहा गरीब लोगों की सेवा कर और उन्हें शिक्षित करना बड़ा ही पुण्य होता है। विशेष अतिथि के रूप में पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव नंदकुमार दादलानी और बैंकर्स क्लब के महासचिव गुलाब जेठानी थे। इससे पहले स्वर्गीय इंदिरा बत्रा की स्मृति में प्राचार्य राज बतरा ने गरीब बस्तियों में जाकर भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन भारती चांदनानी ने किया।

व्हीकल को किया मॉडीफाई तो लगेगा जुर्माना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वाहन को शोरूम से खरीदने के बाद यदि आप इसे अपने हिसाब से मॉडिफाई करवा रहे हैं तो यह महंगा पड़ेगा। मप्र परिवहन विभाग ने साफ किया है कि व्हीकल मॉडिफाई करवाने वालों के वाहन ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन पर प्रथम निरीक्षण में ही फेल कर दिए जाएंगे। इस प्रकार गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा और सड़क पर वाहन चलाना अवैध माना जाएगा।

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा, सचिव मनीष सिंह ने भोपाल के कान्हासैया में संचालित व्हीकल ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन का बीते दिनों आकस्मिक निरीक्षण किया था। इस दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी वाहन में मोडिफिकेशन को रियायत नहीं दी जाएगी। भोपाल के अलावा ऑटोमेटिक फिटनेस टेस्टिंग स्टेशन का संचालन इंदौर एवं ग्वालियर में किया जा रहा है।

पैनिक बटन, जीपीएस अनिवार्य

यात्री बस, शैक्षणिक वाहन सहित यात्रियों से जुड़े सभी प्रकार के कमर्शियल व्हीकल में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस जीपीएस सिस्टम लगाना भी अनिवार्य किया गया है। परिवहन मंत्री ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा को निर्देश दिए हैं कि अभियान चलाकर राजधानी में यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के जरिए स्टेट लेवल कंट्रोल कमांड सेंटर में मैसेज आते ही अलर्ट जारी किया जाता है। पैनिक बटन प्रेस होते ही यह अलर्ट भोपाल के जरिए संबंधित जिले की लाइंग स्क्वॉड को भेज दिया जाता है। प्रदेश में अब तक लगभग 60 हजार वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाई जा चुकी हैं।

एमडी ने कहा - मेट्रो कॉनकोर्स लेवल जोड़ने का काम जल्द पूरा हो

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर से लेकर अल्कापुरी, एस तक मेट्रो काम से रोड बंद है। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। ऐसे में मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने बीते दिनों प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन व सुभाष नगर डिपो का स्थलीय निरीक्षण किया था। यहां सिविल व सिस्टम के कामों को देखा। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को निर्देश दिए और कहा कि जहां मेट्रो से जुड़ा काम पूरा हो जाए, वहां की सड़क को दुरुस्त कर उसे आम आवाजाही के लिए खोले, ताकि ट्रैफिक की बाधा खत्म हो। बता दें कि मेट्रो की अंडर ग्राउंड लाइन को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

ये निर्देश भी दिए: डिपो मे स्थापित कंट्रोल रूम के साथ- विभिन्न सिस्टम रूम का अवलोकन किया। डिपो में बाउन्ड्रीवॉल, रोड डेवलपमेंट के काम के साथ सब-स्टेशन का काम जल्द पूरा करने का कहा। बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन पर दूसरे एंट्री-एक्सिट के लिए एफओबी के जरिए स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल पर जोड़ने का काम जल्द पूरा करने कहा।

मेट्रो एंकर

कैनवा और गूगल ड्राइव एसेंशियल पर कार्यशाला

कैनवा और गूगल की बारीकियां जानीं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल के आईक्यूएसी के सहयोग से, शिक्षण औरगैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कैनवा और गूगल ड्राइव एसेंशियल पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला की शुरुआत कैनवा पर एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुई, जिसका संचालन प्रोफेसर मंजू देवनानी ने पहले और दूसरे दिन किया। उन्होंने कैनवा का परिचय दिया, प्रत्येक टूल के बारे में विस्तार से बताया और उसके अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया। तीसरा दिन व्यावहारिक अभ्यास के लिए समर्पित था, जहां प्रतिभागियों ने अपने नए अर्जित कौशल का उपयोग करके व्यावसायिक पत्र, फ्लायर्स और ग्रीटिंग कार्ड बनाए। चौथे दिन, प्रोफेसर मेघाम सानिया ने गूगल ड्राइव और इसके आवश्यक टूल पर सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने कर्मचारियों को गूगल फ़ॉर्म, गूगल ड्राइव और विभिन्न अज्ञात सुविधाओं से परिचित कराया जो उनके कार्य प्रवाह और दक्षता को बढ़ा सकते हैं। कार्यशाला पांचवें दिन एक व्यावहारिक सत्र के साथ संपन्न हुई, जिसमें पिछले दिनों की सभी सीखों को सुदृढ़ किया गया, जिसके बाद एक समापन समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कर्मचारियों को इन उपकरणों का नियमित रूप से अभ्यास करने और बढ़ी हुई दक्षता के लिए उन्हें अपने दैनिक कार्यों में एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

200 चालकों की आंखों की नजर कमजोर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

यातायात जागरूकता माह में यातायात पुलिस ड्राइवरों की आंखों और उनके स्वास्थ्य का परीक्षण कर रही है। इसके चलते शुक्रवार को पुराना भोपाल स्थित नादिरा बस स्टैंड पर सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ने निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया। ड्राइवरों के रक्तचाप और मधुमेह की भी जांच की गई।

डीसीपी संजय सिंह ने निःशुल्क दृष्टि दोष, नेत्र और दंत रोग परीक्षण शिविर का शुभारम्भ किया। सड़क सुरक्षा माह में यातायात जागरूकता के लिये ÷परवाह÷ अभियान चला रहा है, जिसमें दृष्टि दोष और नेत्र व्याधियों से पीड़ित 270 ड्रायवरों ने अपनी आंखों और 210 व्यक्तियों ने दांतों की जांच करवायी । इनमें 200 ड्रायवरों को दृष्टि दोष तथा 24 को मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। सेवासदन द्वारा कमजोर दृष्टि वाले 123 ड्रायवरों को चश्में तथा नेत्र व्याधियों से पीड़ित 172 को निःशुल्क ड्रॉप्स दिए गए। 28 ड्रायवरों को अपनी आंखों की जांच सेवासदन नेत्र चिकित्सालय जाकर करवाने की सलाह दी गई । 220 लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई जिनमें से 9 का रक्तचाप बड़ा हुआ मिला। डायबिटीज की शिकायत 17 व्यक्तियों में पायी गयी । दंत रोग में 35 रोगियों को आर.सी.टी. 50 को एक्स्ट्रेक्शन तथा शेष को अन्य रोगों की शिकायतें पायी गयी । इन सभी लोगों को आवश्यकतानुसार दांतों का इलाज करवाने की सलाह दी गई। डीसीपी यातायात संजय सिंह ने ड्रायवरों से कहा कि लोकपरिवहन सेवा में लगे ड्रायवरों को अपनी आंखों की जांच समय-समय पर करवाते रहना चाहिये । ड्रायवरों की नजर ही कमजोर होगी तो वे गाड़ी नहीं चला पायेंगे । स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के डीजीएम लोकेश चन्द्र ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, बैंकिंग व्यवसाय के साथ ही अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह भली भांति करता है ।

ड्राइवरों की आंखों की जांच के लिए बस स्टैंड पर लगा शिविर

यह मौजूद रहे: कार्यक्रम में एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक राजवैद्य के अलावा सहायक पुलिस आयुक्त विजय कुमार दुबे समाज सेवी डॉ. एम.डी. भगतानी सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी राजकुमार मूलचंदानी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी और डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी, ऑप्टोमेट्रिस्ट डी.पी. मिश्रा और सौरभ गुप्ता, सहायक नीलेश वाघमारे भी उपस्थित थे ।

नामांतरण के कई मामले अटके, लोग परेशान

रजिस्ट्री के तत्काल बाद नामांतरण का वादा अभी अधूरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में कृषि भूमि की रजिस्ट्री के तत्काल बाद नामांतरण करने की सुविधा देने का वादा अभी अधूरा ही नजर आ रहा है। दरअसल, संपदा 2.0 पोर्टल शुरू करने के बाद पंजीयक विभाग की तरफ से कहा गया था कि जैसे ही रजिस्ट्री होगी, उसके साथ फार्म नंबर 7 भरा जाएगा और नामांतरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मगर ऐसा नहीं हो रहा है। कई ऐसे मामले हैं, जो एक खसरे को अलग-अलग भाग में बेचे जा रहे हैं। यानी आपका एक खसरा है और उसको चार भाग करके बेचा तो ऐसे मामले नामांतरण में अटक जाते हैं। यह हाल पूरे प्रदेश का है और ऐसे करीब 17 हजार मामले अटके हैं, जिनमें ऑनलाइन नामांतरण का आवेदन किया गया था।

दूसरी तरफ प्रदेश के चार महानगर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में प्लॉट, मकान और फ्लैट पर रजिस्ट्री के बाद ऑनलाइन नामांतरण का ट्रायल चल रहा है। लेकिन इनके आवेदन भी उलझ रहे हैं। इस बारे में जब पंजीयन विभाग के अफसरों का कहना है कि तत्काल नामांतरण सुविधा कृषि भूमि पर शुरू हो गई है, लेकिन प्लॉट पर ट्रायल चल रहा है। तर्क यह भी आ रहा है कि अब पंजीयन विभाग की तरफ से राजस्व और नगरीय प्रशासन दोनों को नामांतरण मामले ट्रांसफर किए जा रहे हैं। वहीं पर पेंडिंग हो रहे हैं। दरअसल, संपदा 2.0 आने के बाद रजिस्ट्री तो तत्काल हो रही है, लेकिन कृषि भूमि के नामांतरण के लिए ऑफलाइन आवेदन करने पड़ रहे हैं, जिसमें एक से तीन माह का समय लग रहा है।प्लॉट, मकान और फ्लैट के ऑनलाइन नामांतरण आवेदन करने के बाद दोबारा ऑफलाइन करने पड़ रहे हैं। प्लॉट, मकान और फ्लैट की रजिस्ट्री में भी दिक्कत आ रही है। क्योंकि जियो टैगिंग गलत करने से इनकी लोकेशन अलग दिखाई देती है और ऐसे में ऑनलाइन फार्म नहीं भरे जा रहे हैं। इस कारण वेंडर संपदा 1.0 का ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

वकील जताई आशंका, लगाई याचिका

सौरभ व साथियों से सघन पूछताछ, पुलिस के पास अब 3 दिन बाकी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा व मौजूदा कारोबारी सौरभ शर्मा को लेकर उनके वकील राकेश पाराशर ने सौरभ की हत्या की साजिश की आशंका जताई है। ग्वालियर में उन्होंने कहा कि यूपी के बाहुबली नेता अतीक अहमद की तरह सौरभ की भी पुलिस कस्टडी में हत्या हो सकती है। उन्होंने भोपाल कोर्ट में अर्जेंट सुनवाई के लिए एक आवेदन भी दायर किया है। जिसमें कहा गया है कि लोकायुक्त कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है।अब 4 फरवरी को कोर्ट सुनवाई करेगा। पाराशर ने कोर्ट में लगाए आवेदन में सौरभ शर्मा की सुरक्षा में बड़ी चूक और लापरवाही को बताया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने सौरभ को रिमांड पर देने के साथ लोकायुक्त पुलिस को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए थे। जिसमें विशेष रूप से सौरभ की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम रखना था, लेकिन कोहेफिजा थाने से लोकायुक्त ऑफिस तक सौरभ को खुले में ले जाया गया। कोर्ट ने आवेदन को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने आवेदन पर लोकायुक्त पुलिस को 4 फरवरी को जवाब पेश करने के आदेश दिए है।

उधर, शर्मा व उसके साथियों से पूछताछ का दौर भी जारी है। पुलिस के पास अब कुल तीन दिन बाकी हैं। क्योंकि सौरभ का रिमांड 4 फरवरी तक है। इसके बाद पुलिस को उसे कोर्ट में पेश करना होगा। जानकार सूत्रों का कहना है कि इस मामले में लोकायुक्त की जांच टीम ने करीब डेढ सौ सवालों के जवाब लिये हैं। इसके अलावा सभी के जवाबों का मिलान भी करके इसमें से गडबडी की कडी खोजी जा रही है। सौरभ व शरद का आमना सामना भी कराया गया है।

कंसोटिया को मंत्रालय के 'भीतर' लाई सरकार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करीब चार महीने पहले जब नए सीएस की पदस्थापना की कवायद जारी थी तब सरकार ने वरिष्ठ आईएएस जेएन कंसोटिया को मंत्रालय से बाहर पदस्थ कर दिया था। आईएएस विनोद सिंह को भी बाहर किया था। इनमें से कंसोटिया को सरकार 7 महीने बाद वापस मंत्रालय लेकर आ गई है। उन्हें गृह विभाग का अपर मुख्य सचिव बना दिया गया है। तब माना जा रहा था कि कंसोटिया व सिंह को इस इसलिए बाहर किया, क्योंकि उनसे जूनियर एवं एसीएस डॉ. राजेश राजौरा को सीएस बनाया जा सके। असल में ये दोनों उस समय सीएस के लिए मप्र कैडर के वरिष्ठ आईएएस अफसर में शामिल थे लेकिन चर्चा इनसे जूनियर डॉ. राजेश राजौरा को सीएस बनाए जाने को लेकर प्रबल थी। ऐसे में सीनियर के मंत्रालय में रहते जूनियर को सीएस बनाने में असंतुलन का खतरा था। जिसके चलते दोनों को सितंबर 2024 में मंत्रालय से बाहर कर दिया था।

अब उस वक्त मुख्य सचिव की दौड़ में रहे सीनियर आईएएस जेएन कंसोटिया की 7 महीने बाद मंत्रालय में वापसी से नई बहस छिड़ गई है। तब सरकार ने सितंबर 2024 के अंत में प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बना दिया था। तब वह वन विभाग के एसीएस थे। उन्हें यह जिम्मेदारी शुक्रवार को गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव रहे एसएन मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद मिली है।

मुकर्जी को राजस्व मंडल ग्वालियर भेजा

उधर 1993 बैच के आईएएस एवं मप्र भवन नई दिल्ली के आवासीय आयुक्त अनिरूद्ध मुकर्जी को राजस्व मंडल ग्वालियर का अध्यक्ष बना दिया है। वह लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के एसीएस भी होंगे। मुकर्जी को सरकार ने हाल में अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत किया था। वहीं 1995 बैच के आईएएस अफसर सचिन सिन्हा को प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया है। सरकार ने शुक्रवार देर रात यह बदलाव किया है।

गृह विभाग का जिम्मा दिया, मुखर्जी को राजस्व मंडल भेजा

सचिन सिन्हा को प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया

तीन आईएएस हुए सेवानिवृत्त

मप्र कैडर के तीन आईएएस शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए। इनमें एसएन मिश्रा, डॉ. रामराव भोंसले और अक्षय सिंह शामिल हैं। एसएन मिश्रा गृह की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, उनके पास परिवहन विभाग अतिरिक्त प्रभार में था। जबकि अक्षय सिंह जीएडी में सेवाएं दे रहे थे तो डॉ. रामराव भोंसले सामाजिक न्याय विभाग में आयुक्त थे।

ये बड़े विभाग अतिरिक्त प्रभार पर

पीडब्ल्यूडी, जेल, परिवहन, लोकसेवा प्रबंधन, सहकारिता, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, विमानन विभाग, आयुष विभाग, आनंद विभाग, कर्मचारी चयन बोर्ड, खाद्य सुरक्षा जैसे विभाग अतिरिक्त प्रभार पर है।

सीएम की मोहिनी...

भोपाल. दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जापान के लोगों के दिलों में भी जगह बना ली है। उनके सहज व्यक्तित्व ने लोगों को कितना आकर्षित किया, इसकी बानगी जापान के ओसाका शहर में दिखी जब यादव इम्पीरियल होटल से चेक-आउट कर रहे थे, तब होटल के पूरे मैनेजमेंट-स्टाफ ने पलक-पांवड़े बिछा दिए। मैनेजमेंट और स्टाफ के सदस्यों ने सीएम की रवानगी के मौके पर बड़ी देर तक तालियां बजाई।

आईसेक्ट पब्लिकेशन विश्व पुस्तक मेले नई दिल्ली में होगा शामिल

भोपाल। नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा 1 से 9 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में आईसेक्ट पब्लिकेशन शामिल होगा। आईसेक्ट पब्लिकेशन के वरिष्ठ प्रबंधक महीप निगम ने बताया कि इस मेले में विश्वरंग- आईसेक्ट पब्लिकेशन द्वारा भी भाग लिया जा रहा है। इसमें कम्प्यूटर विज्ञान, साहित्य, कला, संस्कृति, लोक परंपरा, स्वास्थ्य , योग, कौशल विकास, विज्ञान, बाल साहित्य में प्रकाशित 600 से अधिक पुस्तकें, मोनोग्राफ , पत्रिकाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसी के साथ प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखित पुस्तकें भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। पाठकों के लिए विभिन्न लेखकों से बातचीत, पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलिए आदि कार्यक्रम भी निर्धारित किए गए हैं। इसमें आईसेक्ट पब्लिकेशन 100 से अधिक नए टाइटल लेकर आ रहे हैं।

सीएटीसी 19वीं और आरडीसी डीकिटिंग कैम्प का हुआ आयोजन

भोपाल। राजधानी स्थित 12 एमपी बटालियन एनसीसी द्वारा आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी मे 7 फरवरी तक संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) 19वीं और गणतंत्र दिवस समारोह (आरडीसी) डीकिटिंग कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित आयोजन में विभिन्न संस्थानों के 350 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। इसमें कैडेट्स बुनियादी सैन्य अनुशासन और व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कैप का उद्देश्य कैडेट्स में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व के मूल्यों को विकसित करना है। अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में कैडेट्स ड्रिल, मानचित्र पढने और हथियार प्रशिक्षण जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे। कैंप कमांडेंट कर्नल नितिन भावर, प्रशासनिक अधिकारी मेजर नवनीत गुरुंग और एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ चंद्र बहादुर सिंह डांगी द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

प्रियंका दास को बनाया प्रशासन अकादमी मसूरी का डिप्टी डायरेक्टर

भोपाल। मप्र कैडर 2009 बैच की आईएएस प्रियंका दास को प्रशासन अकादमी मसूरी का डिप्टी डायरेक्टर बनाया है। वह एमएसएमई विभाग की प्रमुख सचिव है, जो लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मप्र इकाई में मिशन डायरेक्टर रही थीं। केंद्रीय कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। उनकी यह नियुक्ति 5 वर्ष के लिए होगी। उन्हें तीन सप्ताह के भीतर ज्वाइन करना होगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए 15 फरवरी से 15 मई तक के लिए एस्मा लागू

भोपाल। प्रदेश के शिक्षकों के लिए काम की खबर है। माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं को लेकर 15 फरवरी से 15 मई तक के लिए एस्मा लागू कर दिया गया है। इस अवधि में परीक्षाओं में नियुक्त कर्मचारी, अधिकारी और अन्य स्टाफ किसी प्रकार की हड़ताल नहीं कर सकेगा। इस संबंध में राजपत्र प्रकाशित कर राज्यपाल के नाम से सचिव गौरव राजपूत द्वारा आदेश जारी कर दिए गए है। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 25 फरवरी से शुरू होने वाली दसवीं-बारहवी कक्षा की परीक्षा अति आवश्यक सेवा घोषित की गई है। इस वजह से परीक्षा की पूरी अवधि में एसेंशियल सर्विस एंड मेंटेनेंस (एस्मा) एक्ट लागू रहेगा। इस दौरान शिक्षक छुट्टी नहीं ले सकेंगे। आंदोलन, धरना-प्रदर्शन भी नहीं कर पाएंगे।

संपादकीय

अब आसमानी सफर में रोडे

हवाईयात्रा भारत के अधिसंख्य लोगों के लिए सपने की तरह रही है। एक ऐसा सपना जो इनमें से बहुत कम लोग अपने जीवन में पूरा कर पाते हैं। पिछले दिनों विमानन कंपनियों के विस्तार और सस्ते हवाई टिकट के वादे के बाद उम्मीद जागी थी कि कम आय वर्ग से आने वाला आम आदमी भी जरूरत पड़ने पर विमान यात्रा कर सकेगा। रेलगाड़ियों में असुविधाओं, टिकट के दाम और उनकी उपलब्धता की स्थिति में उसे एक विकल्प मिलेगा। मगर प्रीमियम किराए का दौर शुरू होते ही और मांग तथा पूर्ति में असंतुलन की आड़ में मनमानी होने लगी तथा आसमान छूते विमान किराए ने आम आदमी को फिर से जमीन पर उतार दिया। अब एक बार फिर हवाई सफर ज्यादा समर्थ लोगों की ही पहुंच में सिमटता नजर आने लगा है। प्रमुख त्योहारों के समय, शादियों के मौसम में या छुट्टियों के दौरान कहीं जाने वालों से मुनाफाखोरी होने पर भी नागर विमानन मंत्रालय आंखें मूंदे रहता है। नतीजा यह कि यात्रियों के हितों को नजरअंदाज करते हुए ज्यादातर कंपनियां अंतिम समय में बेहिसाब किराया बढ़ा देती हैं। जबकि कई बार कुछ लोग आपात स्थिति और मजबूरी में भी आखिर में विमान यात्रा का विकल्प चुनते हैं। हैरत है कि सरकार न तो हस्तक्षेप करती है और न ही कोई दिशा-निर्देश जारी करती है। जाहिर है, विमानन कंपनियों के इस तरह मुनाफा कमाने पर कोई लगाम नहीं है। अभी हाल में महाकुंभ के दौरान जिस तरह से किराए में भारी उछाल आया है, उस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं तथा इन पर बहस होना ही चाहिये। हालांकि सरकार बहुत देर से ही सही पर सरकार थोड़ी हरकत में आई तो है। हाल में उसके निर्देश के बाद एक विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने अपने किराए में तीस से पचास फीसद तक कटौती कर दी। इससे यही लगता है कि किराया वसूलने के मामले में विमानन कंपनियां किस तरह की मनमानी करती हैं। हाल ही में लोक लेखा समिति की बैठक में आसमान छूते हवाई किराए पर गहरी चिंता जताई गई थी। मांग आधारित किराए की व्यवस्था में जब तीन-चार हजार का टिकट अठारह या बीस हजार का हो जाए, तो हवाई सफर सपना ही बनने लगता है। मांग बढ़ने पर या अंतिम समय में टिकट चाहने वालों से मनमाना किराया वसूलने के पीछे आखिर क्या आधार होते हैं? यदि हाल का तात्कालिक उदाहरण छोड भी दें तो कहा जा सकता है कि सरकार विमान किराए में पारदर्शिता लाने, मनमानी और मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाने में विफल रही है। सवाल है कि जिन आधारों पर किराए बढ़ाए जाते हैं, उन्हें तर्कसंगत क्यों नहीं बनाया जाता। विमानन कंपनियों की मनमानी यूं ही चलती रही तो यह तय है कि मिडिल क्लास का हवाईसफर वाला सपना सिर्फ सपना ही रहने वाला है। हालांकि कुछ राज्य अपने स्तर पर हवाई सेवा शुरू करने की भी बात व कोशिशें करते रहे हैं। मप्र सरकार ने भी छोटे विमान चलाकर लोगों को हवाई सफर की सौगाते दिलाने की कोशिश की थी लेकिन वह भी कई तरफ की मुश्किलात के चलते बेदम हो गई हैं। यदि गौर से देखें तो बीते कई साल से सरकार में शामिल सियासतदां लोग अक्सर यह दावा करते रहे हैं कि हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई सफर करेगा। मगर यह जुमलेबाजी भी हवाई ही नजर आती है। कम या वाजिब किराए के जरिये जल्द गंतव्य तक पहुंचने की बात और लोगों की आस के बीच फिलवक्त निजी विमानन कंपनियों की मनमानी एक बहुत बड़ा अवरोध ही नजर आ रहा है।

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है वसंत पंचमी

■ ललित गर्ग

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरुआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरुआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था।

सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा।

उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1786- लॉर्ड कार्नवालिस भारत के गवर्नर जनरल बने।
- 1790- न्यूयार्क शहर में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ द यूनाइटेड स्टेट्सका आयोजन किया गया।
- 1793- फ्रांस ने युनाइटेड किंगडमऔर नीदरलैंड के साथ युद्ध की घोषणा की।
- 1797- लार्ड कार्नवालिस ने बंगाल के गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली।
- 1814- फिलीपींस में ज्वालामुखी फटने से करीब 1,200 लोगों की मौत।
- 1827- कलकत्ता बंगाल क्लब की स्थापना हुई।
- 1835- ईस्ट इंडिया कम्पनी ने दार्जिलिंग को सिक्किम के पट्टे पर लिया। मॉरीशस में ग़ुलामी प्रथा का समापन।
- 1855- ईस्ट इंडिया रेलवे का विधिवत उद्घाटन।
- 1881- दिल्ली के सबसे पुराने कॉलेज सेंट स्टीफन कॉलेज की स्थापना।
- 1884- डाक बीमा योजना लागू हुई। ऑक्सफ़ोर्ड इंग्लिश डिक्शनरीका पहला वॉल्यूम ए टू आंट का प्रकाशन।
- 1908- पुर्तग़ाल नरेश कार्लास प्रथम और युवराज लुइस फिलिप की लिस्बन में हत्या, मैनुअल द्वितीय शासक बने।
- 1922- महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन तेज करने की जानकारी भारत के वायसराय को दी।
- 1924- यूएसएसआर ने यूनाइटेड किंगडम को मान्यता प्रदान की। ब्रिटेन ने सोवियत संघ को मान्यता प्रदान की।
- 1953- नीदरलैंड, बेल्जियम, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड में आई बाढ़ से 2500 से ज्यादा लोगों की मौत।
- 1956- दक्षिण अफ्रीका ने सोवियत संघ के वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को वापस बुलाने की माँग की।
- 1958- मिस्र और सीरिया को यूनाइटेड अरब रिपब्लिक में मिला दिया गया,जो 1961 तक बना रहा।
- 1964- भारत में यूनिट ट्रस्ट की स्थापना।
- 1972- भारतीय अंतरराष्ट्रीय विमान पतनन प्राधिकरण का गठन।
- 1974- ब्राजील में 25 मजिली बैंक की इमारत में आग से 227 लोगों की मृत्यु हो गयी।
- 1977- भारतीय तट रक्षक बल का गठन। दिल्ली में भारत के पहले राष्ट्रीय रेल संग्रहालय की स्थापना।
- 1979- 14 वर्षों के निर्वासन के बाद अयातुल्ला खुमैनी का ईरान आगमन।

ओपन मैरिज और विवाह व्यवस्था, भारतीय समाज को किस तरह प्रभावित करेगा यह चलन?

■ दीक्षा पाठक

भारतीय संस्कृति में शादी को वह पवित्र बंधन माना जाता है। हिंदू धर्म और परंपरा में पति-पत्नी का रिश्ता पूर्वजन्म का संबंध होता है। समाज के भीतर यह रिश्ता सात जन्मों के बंधन के रूप में पूजा जाता है। विष्णु और लक्ष्मी से लेकर शिव-पार्वती तक विवाह का पवित्र बंधन आपसी विश्वास और प्रेम की अटूट डोर से बंधा होता है। कहा जाता है जन्म,मरण,परण सब विधि के हाथ होता है। इसका अर्थ है कि ना मनुष्य के हाथ में जन्म है, ना मृत्यु और ना ही विवाह का बंधन। कौन किसके साथ रिश्ते में बंधेगा यह सब विधाता के हाथ में होता है। अन्य धर्मो की तरह हिंदू धर्म में विवाह कभी ना टूटने वाला बंधन है यानी की यहां तलाक की व्यवस्था नहीं है। जीवन में एक बार पति या पत्नी के रूप में वरण कर लिया वह फिर आजीवन साथ निभाता है। हालांकि, बीते कुछ दशकों में सामाजिक परिवर्तनों के चलते और समाज के ढांचे में बदलाव के चलते परिवारिक ढांचा पूरी तरह से बदल गया है। आज हिंदू धर्म में तलाक एक न्यायिक व्यवस्था के अंतर्गत है। दो लोग आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं जिसे न्यायपूर्वक और कानून द्वारा तय किया जाता है। बहरहाल, दांपत्य जितना प्रेम से परिपूर्ण रिश्ता है, उतना ही यह आपसी विश्वास की डोर से बंधा हुआ है। यह वह आपसी भरोसा ही है जिसके चलते एक परिवार की वंशावली निर्मित होती चली जाती है। लेकिन उत्तर आधुनिक समाज में बाजारवाद के प्रभाव के चलते सामाजिक संरचनाएं न केवल विखंडित हुई हैं बल्कि, संयुक्त परिवारों की तुलना में एकल परिवार का कॉन्सेप्ट शुरू हो गया है। पहले पति-पत्नी, माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते थे, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में बदलाव के चलते खासतौर पर ग्लोबलाइजेशन के बाद के बाद अब केवल एकल परिवार रह गए हैं।

जाहिर है इन एकल परिवारों में संयुक्त परिवार का आधार न होने के कारण पति और पत्नी के बीच के संबंधों में दरार आई है। नौकरी पेशा जिंदगी, महानगरों में रहना, तनाव, आपसी विश्वास की कमी, यह सब संबंधों के टूटने का आधार रहे हैं। शादी के टूटने में सबसे बड़ी भूमिका नीरसता, साथी की ओर से उपेक्षा, विवाहेत्तर संबंध। यह वह सब कारण हैं जिसके चलते ओपन मैरिज जैसे कॉन्सेप्ट 21वीं सदी में हमारे सामने है।

बीते एक दशक में समाज में तेजी से परिवर्तन के होने चलते रिलेशनशिप के कई तरह के कॉन्सेप्ट्स सामने आए हैं, उन्हीं में विवाह के अंतर्गत एक कॉन्सेप्ट है, जिसे ओपन मैरिज कहा जा रहा है।

समाजशास्त्रियों से लेकर के मनोवैज्ञानिक तक ओपन मैरिज के कॉन्सेप्ट को एक तरह से स्वीकार्यता दे चुके हैं। पश्चिम का यह कॉन्सेप्ट भारतीय समाज में धीरे-धीरे प्रवेश कर रहा है। ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट न केवल महानगरों की देन है बल्कि यह अब धीरे-धीरे महानगरीय संस्कृति का हिस्सा बन रहा है। शादी में पति-पत्नी का संबंध भरोसे पर ही आधारित होता है। भरोसा एक ऐसा शब्द है कि अगर किसी व्यक्ति पर जघन्य अपराध का भी आरोप लगा हो और उसने अपनी पत्नी से मात्र इतना कह दिया कि क्या तुम्हें मुझपर भरोसा नहीं है तो उसकी पत्नी को किसी सबूत की जरूरत ही नहीं होगी। अगर शादी भरोसे का रिश्ता होता है तो क्या हमारा समाज इतना आगे बढ़ गया है कि अब इस रिश्ते में एक तीसरे व्यक्ति की भी जरूरत पड़ रही है। आश्चर्य की बात यह है कि आज के युवाओं में न केवल इसे सही माना जा रहा है बल्कि पसंद भी किया जा रहा है।सोशल मीडिया के इस दौर में कुछ भी छुपाना असंभव है। आज के समय में लोगों का रिश्ता भी बदलता जा रहा है और उसे निभाने का तरीका भी। एक तरफ तो कुछ लोग अपना सारा जीवन एक इंसान के साथ ही गुजारना चाहते हैं। वहीं, कुछ लोग जीवन में रोमांस को ज्यादा तवज्जो देते हैं और एक से ज्यादा रोमांटिक रिश्ते पसंद करते हैं। इसी तर्ज पर ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट कपल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। ओपन मैरिज का चलन विदेशों में पहले से मौजूद था, लेकिन अब यह धीरे-धीरे भारत में भी लोकप्रिय हो रहा है।ओपन मैरिज का सीधा मतलब यही है कि आप अपनी शादी के बाद भी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता बना सकते हैं और इसमें आपके पार्टनर की भी रजामंदी हो। लोगों का कहना है कि यह कॉन्सेप्ट इसलिए ट्रेंड में आया ताकि लोगों में कम से कम तलाक हो और वह एक-दूसरे से बोर भी न हों। अब इसे पढ़कर एक सवाल यही मन में आता है कि यह कॉन्सेप्ट भारतीय कपल्स में कैसे ट्रेंड कर रहा है, जहां शादी को सात जन्मों का बंधन माना जाता है।इस कॉन्सेप्ट के आने से लोगों में शादी बस एक समझौता बनकर रह गया है। भारतीय समाज आज भी इस कॉन्सेप्ट को अपनाने के लिए तैयार नहीं है। ओपन मैरिज के आ जाने से भारत में लिव इन रिलेशनशिप का ट्रेंड भी बढ़ता जा रहा है और लोग शादी को बस एक खेल समझकर बैठ गए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ओपन मैरिज उन्हें स्वतंत्रता देती है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि ओपन मैरिज करके भी वह अपने पार्टनर को धोखा नहीं देते हैं, लेकिन इन सब के बावजूद यह कहना गलत नहीं होगा कि ऐसे रिश्ते को समाज में शायद ही स्वीकार्यता मिलेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

मीठे वचन चारों ओर सुख ही सुख फैलाते हैं। ऐसे वचन किसी को भी अपना बना लेते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि वह कठोर वचनों को छोड़कर मीठा बोलने का प्रयास करें।
-तुलसीदास

आज का कार्टून

(साभार : माधव जोशी)

टिमरी हत्याकांड को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। शुक्रवार को सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा टिमरी जिला जबलपुर हत्याकांड को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को सोपा गया है जिसमें उल्लेख किया गया है कि विगत दिवस जबलपुर जिला की पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम टिमरी (बेनीखेड़ा) में ब्राह्मण परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी है। जिससे समस्त ब्राह्मण समाज में आक्रोश व्याप्त है ब्राह्मण समाज शासन से इस ज्ञापन के माध्यम से मांग करती है, की दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कड़ी से कड़ी सजा दी जावे दोषियों के मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई करते हुए उनके मकान गिराए जावे, जिससे प्रदेश में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति दोबारा न हो, साथ ही साथ पीड़ित परिवार को समुचित सुरक्षा प्रदान की जावे। तथा उचित मुआवजा के रूप में प्रत्येक तक के परिवार को एक करोड रुपए की सहायता राशि दी जावे एवं मृतकों के बच्चों की उचित शिक्षा - प्रबंध करते हुए निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था सरकार अपने व्यय पर करें । ज्ञापन सौपनों वालों में विप्र समाज के अध्यक्ष पंडित ओंकार मिश्रा, संरक्षक पंडित रमेश तिवारी, एडवोकेट राकेश शर्मा नर्मदा दुबे संतोष गर्ग कपिल गोटिया अनिल पाराशर राजकुमार शर्मा राजा तिवारी विनोद कुमार सरैया रोशन दुबे दीपक कटारे रामकृष्ण मालवीय कमलेश शर्मा सुधीर पटेरिया लकी मिश्रा दीपक मिश्रा नारायण पाठक प्रकाश चौबे सुरेश आचार्य जागेश्वर तिवारी हेमंत कुमार रवि शंकर सहित सैकड़ों ब्राह्मण उपस्थित थे।

राजपूत समाज पर टिप्पणी करने वाले के खिलाफ कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा में राजपूत समाज के लोगों ने समाज के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करने के लिए एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम एसडीएम श्रीमति सरोज परिहार को सोपा बड़ी संख्या में आए राजपूत समाज के लोगो ने बताया कि 30 जनवरी को सिवनी मालवा के ग्राम रेहड़ा के कपील पचार (जाट) ने राजपूत समाज को लेकर गन्दे शब्दों का उपयोग कर समस्त राजपूत समाज की अभद्रता पूर्ण बाते लिख कर इस गन्दी पोस्ट को सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। सोशल मीडिया पर हुई इस पोस्ट पर सिवनी मालवा के राजपूत समाज और करणी सेना सहित समस्त राजपूत समाज में रोष व्यापत है जिससे समस्त राजपूत समाज की बदनामी हो रही है हम सभी राजपूत समाज के व्यक्ति इस पोस्ट को पढ़ने के बाद काफी आक्रोशित है जिसके कारण अन्य समाजों में भी राजपूत समाज की छवि धूमिल हो रही है। तीन दिन के अंदर ग्राम रेहड़ा निवासी कपील पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो हम राजपूत समाज और करणी सेना चरणबद्ध आंदोलन करेगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन और प्रशासन की रहेगी। राजपूत समाज के लोगों ने इस बात की शिकायत थाना प्रभारी से भी की है।

आंगनबाड़ी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम। महिला एवं बाल विकास विभाग शहरी सेक्टर 4 के आंगनवाड़ी केंद्र क्र. 26.5 वीटीआई में महिला बाल विकास विभाग अधिकारी के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य शिक्षा पोषण के लिए विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न कराई गई.महिलाओं और बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के विषय में बताया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरिता पाठक, सहायिका दुर्गा रैकवार एवं वार्ड की अन्य महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

सीएमओ की दिखावटी कार्रवाई से नागरिक अचंभित

अतिक्रमण में मेडिकल स्टोर नपा के नोटिस हुए बे-असर!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका में वर्तमान समय पदस्थ महिला सीएमओ की कार्यशैली नागरिकों को पसंद नहीं आ रही. उन्हें यहां से हटाने के लिए भी कुछ जिम्मेदार नेता अपनी आवाज उठा चुके हैं।नगर की अतिक्रमण व्यवस्था को गति देने के मामले में वर्तमान नगर पालिका अधिकारी की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं. अभी कुछ दिन पहले ही नगर पालिका द्वारा मीनाक्षी चौक स्थित रॉयल मेडिकल स्टोर को 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए थे. लेकिन आज तक इस अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं की गई. इस घटना से लगता है की मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिर्फ दिखावे के लिए अपनी कार्रवाई करने का दिखावा कर रहे हैं. जबकि हकीकत यह है कि उन्हें किसी अतिक्रमण हटाने में कोई दिलचस्पी नहीं है.

यह मेडिकल स्टोर एक निकास नाले के ऊपर बना हुआ है. जल का पानी कभी भी ओवरफ्लो

होकर मेन सड़क पर आ सकता है और आसपास रह रहे लोगों को घरों में घुस सकता है. मेडिकल स्टोर संचालक का कहना है कि यह जमीन का पट्टा आवंटित है इसलिए यह निर्माण अवैध हो नहीं सकता। हालांकि मीनाक्षी चौक पर अकेला यह स्थान ही नहीं है जो कि व्यवसाय गतिविधि का केंद्र बना हुआ है बल्कि इसके आसपास भी तमाम व्यावसायिक संस्थान इसी तर्ज पर चल रहे हैं. जिन्हें रहने के लिए पट्टे आवंटित किए गए थे वह सब व्यावसायिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं. यह बात नगर पालिका को भी मालूम है लेकिन नगर पालिका सिर्फ एक मेडिकल स्टोर के पीछे ही पड़ी है.

बाजार की सड़कें भी अतिक्रमण से घिरी

नगर का सातरस्ता इतवारा बाजार नर्मदा महाविद्यालय चौक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदि स्थानों के पास सड़क के किनारे दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है. जबकि गत वर्ष नगर पालिका ने स्पष्ट कहा था कि इन स्थानों पर कोई भी व्यावसायिक गतिविधि जारी नहीं होना चाहिए. सातरस्ता से फलों के ठेले हटा दिए गए थे. नर्मदा महाविद्यालय के सामने भी फलों के ठेले चाय की गुमटियां हटाकर सड़क के किनारे से अतिक्रमण साफ कर दिया गया था. लेकिन अब फिर से इन स्थानों पर अतिक्रमण पसरा पड़ा है. कहने को नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अमला दिन भर नगर की सड़कों पर सरकारी गाड़ी में सवार होकर अतिक्रमण हटाने के नाम पर सरकारी पैसे का डीजल फूँकता फिरता है. समझ में नहीं आता कि यह अमला अतिक्रमण हटाने के लिए नगर में घूमता है या अतिक्रमण कराने के लिए नगर में घूमता है. अतिक्रमण अमले को लेकर कहा तो यहां तक जा रहा है कि अतिक्रमण हटाओ अमला द्वारा ही कई जगह पर अतिक्रमण कराकर कमाई का जरिया तलाशा जा रहा है. जिस मीनाक्षी चौक को सौंदर्यीकरण के लिए चौड़ा किया जा रहा है वहीं पर जल संसाधन विभाग के सरकारी आवास के सामने कुछ दुकान लगाकर अतिक्रमण कराया जा रहा है. सूत्रों से पता चला है कि यह दुकान भी अतिक्रमण अमला के संरक्षण में ही चल रही हैं.

भारतीय खेलों को बढ़ावा देने नगर खेल कुंभ आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई द्वारा नगर खेल कुंभ के अंतर्गत पारंपरिक भारतीय खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाठी, कराटे, लाठी फटा बाजी दो व्यक्तियों के बीच मुकाबला एवं पेंचक सिलट की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में नगर के लगभग 40छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में कृष्ण गोपाल जोगी एवं इशिका मैना उपस्थित रहे। जिला संयोजक शुभम सिंह ठाकुर ने बताया कि नगर खेल कुंभ अभाविप द्वारा खेलो भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस खेल कुंभ का शुभारंभ कबड्डी एवं बैडमिंटन प्रतियोगिताओं से हुआ था। और इसके अंतर्गत विभिन्न खेलों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य प्राचीन व पारंपरिक भारतीय खेलों को बढ़ावा देना तथा नगर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गृह विज्ञान में कॉलेज तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

- विजेताओं को पुरस्कार सहित प्रमाण पत्र वितरित किए गए

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम.शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा युवा प्रतिभाओं को गुणवत्ता और मानवता के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य एवं बीआई एस की प्रचार गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए क्लब गतिविधि तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन महाविद्यालय के बहुमुखी विकास में सतत् संलग्न रसायन शास्त्र विभाग को प्राप्त हुआ. वर्तमान समय में उत्पादों की गुणवत्ता के प्रति जन जागरूकता का प्रचार प्रचार करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का उद्देष्य वैज्ञानिक सिद्धांतों से संबंधित विभिन्न मानको और उनके अनुप्रयोगों के बारे में छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करना है। गतिविधि की संयोजक डॉ. वैशाली लाल ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो एक अनुभव जनित शिक्षण प्रक्रिया है जो छात्राओं को उनकी व्यावसायिक एवं व्यक्तित्व वृद्धि एवं विकास में सुनहरे अक्षर प्रदान करेगा भारतीय मानक ब्यूरो के आईएसआई मार्क, हॉलमार्क, इकोमार्क की जानकारी देते हुए उत्पादों की शुद्धता व मानकीकरण के बारे में जानकारी प्रदान की। सर्वप्रथम क्विज प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी प्रदान कर प्रतियोगिता के विजेताओं को प्राचार्य द्वारा नगद पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरण कर छात्राओं का प्रोत्साहन किया गया। प्रथम पुरस्कार पलक चौहान, द्वितीय पुरस्कार श्रेया मनीष, तृतीय पुरस्कार प्राची चौहान तथा उर्जिता रघुवंशी को सांत्वना पुरस्कार प्राचार्य द्वारा प्रदान किए गए।

सामूहिक आयोजन में पहुंचे मां बेटे के साथ चार लोगों ने की मारपीट

- पीड़ितों ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

शुकवार को सुबह सुबह एक बुजुर्ग महिला ओर उसके बेटे को तेंदूखेड़ा पुलिस उपचार के लिए तेंदूखेड़ा सामुदायक स्वस्थ केंद्र लेकर आई महिला ओर उनके बेटे का उपचार हुआ बाद में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

उपचार करने आई महिला केशवबाई केवट ने बताया वह ग्राम झरौली की निवासी हैं गुरुवार की रात्रि में उसके ग्राम में सामाजिक चौक था वह का आमंत्रण आने के बाद मेरा बेटा कमलेश वह गया था उसी दौरान पवन केवट भगीरथ केवट ने उसके साथ मारपीट कर दी बेटे ने घर आकर घटना मुझे बताई में वह पहुंची और विवाद का कारण पूछ ही रही थी तभी पवन भगीरथ संगीता बाई केवट ओर अन्य महिला ने मेरे ऊपर भी हमला कर दिया । सभी ने मुझसे झूमा झूमती की बाद में कुछ लोगों ने बीच बचाव किया उसके बाद में अपने बेटे के साथ वहां से निकलकर आई ओर आज सुबह थाने आकर मैने उनकी शिकायत दर्ज कराई है।

स्कूलों का निरीक्षण, देखीं व्यवस्थाएं

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

शैक्षणिक व्यवस्थाओ में सुधार लाने के लिए जिला कलेक्टर द्वारा जिला स्तरीय कोर कमेटी के विकासखण्ड सदस्य दीपक जैन ने गुरुवार को शासकीय प्राथमिक शाला सुरगुँवा,शासकीय प्राथमिक शाला भोपाठा, शासकीय प्राथमिक शाला धनगौर कछार, शासकीय प्राथमिक शाला अमवाही का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान सभी शालाओं में सभी शिक्षक उपस्थित पाए गए समस्त विद्यालयों में मध्यान भोजन संचालित पाया गया साफ सफाई व्यवस्था पाई गई शासकीय प्राथमिक शाला सुरगुँवा में शिक्षिका श्रीमती आरती दुबे के सराहनीय प्रयासों से विद्यालय की कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों का स्तर उत्कृष्ट पाया गया।

शाला में कुल 26 बच्चो में से 24 बच्चे उपस्थित थे 50त्न बच्चों ने पूछे गए प्रश्नों के सही जवाब दिए एफएलएन का रिकार्ड संधारित पाया गया अर्धवार्षिक परीक्षा की कॉपियों का मिलान किया गया तो जांच सही पाई गई यहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कोर कमेटी सदस्य द्वारा पुरस्कृत किया गया इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक शाला भोपाठा में शिक्षक मुंशी सिंह और शिक्षिका स्मिता चौरसिया के उत्कृष्ट प्रयासों से कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे 50त्न सही जवाब प्रश्नों उत्तर दे पाए यहां पर भी एफएलएन का रिकार्ड संधारित पाया गया बच्चों की किताबें भरी थी वह जाँची गई थी अर्धवार्षिक परीक्षा की कॉपियां सही जाँची पाई गई यहां कुल 27 बच्चे दर्जन जिम 24 बच्चे उपस्थित थे और तीन बच्चों की छुट्टी की आवेदन रखे थे शासकीय प्राथमिक शाला धनगौर कछार में शिक्षक महेंद्र जैन की प्रयासों से कक्षा 5 के बच्चों ने 15 का पहाड़ा नई विधि से ब्लैकबोर्ड पर लिखा यहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सदस्य द्वारा इनाम दिए गए शाला में उपस्थित शत प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए गए इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक शाला अमवाई का 4 बजे निरीक्षण किया गया जिसमें बच्चों का स्तर कमजोर पाया गया बच्चों के साथ और अधिक मेहनत करने की निर्देश दिए गए सभी विद्यालयों में कक्षा 5 के लिए प्रबल समूह के पेपर से अध्यापन करने के लिए कहा गया और अपर आईडी बच्चों की शीघ्र बनाने के निर्देश भी शिक्षकों को दिए गए।

मेट्रो एंकर कर्मचारियों ने कमांडेंट को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रक्षा संस्थान कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

केंदीय कर्मचारियों के वेतन भत्तों , सेवा शर्तों को संशोधित कर कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कर्मचारी संगठन निरंतर विरोध प्रदर्शन कर रहे है कर्मचारी संघ ने जब-जब भी अपना विरोध प्रदर्शन, संघर्ष किया है । सरकार ने भी इसे गंभीरता से लेकर विभिन्न समितियों का गठन कर कुछ ना कुछ बदलाव, संशोधन अवश्य किए हैं। लेकिन कर्मचारियों की कठिन सेवाओं और

मौजूदा बाजार की महंगाई को देखते हुए वह काफी नहीं है और भविष्य सुरक्षित भी नहीं है उपरोक्त मामलों को लेकर कर्मचारियों में असंतोष की भावना बढ़ रही है। इसलिए कर्मचारी अपनी जायज मांगों को पूरा करने के लिए सरकार से निरंतर मांग कर रहे हैं । इसी तारतम्य में जिले के प्रतिष्ठितद्व रक्षा संस्थान सीपीई में कर्मचारी संघ द्वारा भारतीय मजदूर संघ और भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ एवं सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ के आह्वान और दिशा निर्देश पर देशभर के सभी कार्यालयों में कार्यरत केन्द्रीय कर्मचारियों को नई पेंशन खत्म करके पुरानी पेंशन योजना लागू कराने के उद्देश्य राष्ट्रव्यापी विरोध पखवाड़ा मनाया जा रहा है । इस विरोध दिवस में विभिन्न तरीकों से ज्ञापन , गेट मीटिंग, नारेबाजी राष्ट्रहित में करेंगे काम, काम का लेंगे पूरा दाम÷ आदि माध्यमों से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कर्मचारी संघ सीपीई द्वारा भी मुख्य प्रवेश द्वार पर अपनी मांगों, आठवें वेतन आयोग को समय पर लागू करना।

2004 के बाद लागू न्यू पेंशन स्कीम को बंद कर कर्मचारियों को सीसीएस पेंशन नियम 1972 के अनुसार ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ मिलना , अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलना चाहिए। ठेका प्रथा को बंद कर रक्षा संस्थानों में खाली पड़े पदों पर भर्ती कराना। सरकार ने कर्मचारियों के विरोध के बावजूद आयुध निर्माणियों के निगमीकरण किया। सरकार को इस विषय पर पुनर्विचार कर प्रसार भारती मॉडल की तरह सेवानिवृति तक सरकारी कर्मचारी रहने की सुनिश्चिता प्रदान करना आदि मांगो को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन कमांडेंट मेजर जनरल आर एस सलारिया को सौंपा।

40 लाख मूल्य की चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

सिरोंज। विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में विदिशा जिले में चरनोई की भूमि पर हुए अतिक्रमण को जिला प्रशासन द्वारा हटाए जाने की कार्रवाई निरंतर जारी है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि विदिशा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित की गई चरनोई की भूमियों पर हुए अतिक्रमण को राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा निरंतर कार्यवाहियां कर अतिक्रमण हटाने का कार्य किया जा रहा है। अतिक्रमण विमुक्त भूमियों को ग्राम पंचायतों को सुपुर्द किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को शमशाबाद तहसील क्षेत्र में कार्यवाही हुई है स्थानीय एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल और तहसीलदार आनंद जैन की उपस्थिति में नटेरन तहसील के ग्राम सेऊ स्थित भूमि खसरा नंबर 1 रकबा 1.923 हेक्टेयर मद सुरक्षित चरनोई भूमि को राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही कर मौके पर खड़ी फसल को हटवाया गया और चीरा लगाकर सुरक्षित कर निराश्रित पशुओं हेतु पंचायत को सुपुर्द किया गया है। अतिक्रमण मुक्त हुई चरनोई भूमि का अनुमानित मूल्य 40 लाख रुपये है।

वार्षिक समारोह में बच्चों को पुरस्कार

गंजबासौदा। शासकीय कन्या हाईस्कूल गाँधी चौक के महारानी लक्ष्मीबाई योग मैदान मे वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एवं कक्षा दसवी की छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया । समारोह की मुख्य अतिथि विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने बच्चो से वन टू वन पढाई, लक्ष्य और भविष्य की योजनाऔ पर तथा आगामी परीक्षा पर चर्चा की । उन्होने बच्चो की शंकाओं का समाधान भी किया।और परीक्षा मे अच्छे नंबर से पास होने के तरीके बताते हुए मार्गदर्शन दिया। विधायक ने कहा बच्चो का एक ही काम है पढाई पढाई बस पढाई आप पढाई करो जहां कोई परेशानी या समस्या हो मोदी सरकार , मध्यप्रदेश सरकार और आपका विधायक मै आपके साथ हूं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू देवेन्द्र रघुवंशी ने बालिकाऔ को उत्साहित करते हुऐ कहा आने वाला समय बालिकाऔ का है । आज बालिकाएं अंतरिक्ष वैज्ञानिक, फाइटर पायलट, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री सहित बडी बडी अधिकारी नेता बन रही है आप बस अपने पंख पसारो सारा आसमान तुम्हारा है ।कार्यक्रम मे बाल कैबिनेट की प्रधानमंत्री सेफिया खान के नेतृत्व मे एक मांग पत्र विधायक को सौंपा गया जिसमे शाला की बाऊड्रीवाल बनाए जाने की बात रखी गई जिसको विधायक ने जल्द से जल्द बनाऐ जाने की बात कही । शाला का वार्षिक प्रतिवेदन वसुंधरा शर्मा ने वाचन किया । इस अवसर पर मां की बगिया मे पौधारोपण भी किया गया । कार्यक्रम मे साल भर होने वाली गतिविधियो, खेल ,योग , विभिन्न परीक्षाऔ मे सफल बच्चो को प्रथम दितीय तृतीय पुरस्कार स्वरूप शील्ड मेडल कंपास कलम कापी पानी बोतल वितरण की गई । कार्यक्रम के विशेष अतिथि नगर मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा , पार्षद नारायण सोनी , पार्षद पिंकी शर्मा , युवा नेता संजय श्रीवास्तव, बीईओ परता अहिरवार। संचालन योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने किया।

कलेक्टर ने शमशाबाद क्षेत्रों के ग्रामों का भ्रमण कर जायजा लिया

अनुपस्थित दो अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को शमशाबाद तहसील क्षेत्र के ग्रामो का भ्रमण कर निर्माण कार्यो तथा शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की अद्यतन जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने भ्रमण क्षेत्रो में स्थानीय ग्रामीणजनों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की क्रास मानिटरिंग की है। कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित कार्यो का विशेष तौर पर जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित दो अधिकारियों को टेलीफोन के माध्यम से बुलाने का संदेश प्रेषित कराया था इसके बावजूद उपस्थित नहीं होने पर उक्त दोनो अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहे सर्व शिक्षा अभियान के संविदा उपयंत्री आशीष जैन की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश डीपीसी को दिए है। गौरतलब हो कि भ्रमण के दौरान और शालाओं की मरम्मत कार्यो में कोई रूचि नहीं लेने पर आशीष जैन की सेवा समाप्ति की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के नटेरन परियोजना अधिकारी श्री राजेश जैन के खिलाफ निलंबन कार्यवाही का प्रस्ताव संभागायुक्त को प्रेषित करने की कार्यवाही क्रियान्वित करने के निर्देश जनपद सीईओ को दिए गए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम वर्धा के धाकड़ मोहल्ले में एक करोड़ की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा अवधि मार्च माह तक पूर्ण कराने के निर्देश निर्माण ऐजेन्सी आरईएस के कार्यपालन यंत्री को दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने यहां सामुदायिक भवन का रखरखाव व देखरेख के लिए महिला स्वसहायता समूहो को सुपुर्द करने के निर्देश दिए है कलेक्टर ने सामुदायिक भवन का सार्वजनिक हितो में उपयोग करने, भवन के चारो और पौधरोपण करने और सुरक्षा के दृष्टिकोण से बाउण्ड्रीवाल बनाए जाने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने वर्धा के पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया है। यहां उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक तर्क शक्तियों को प्रश्नोत्तरी संवादों के माध्यम से जाना है। उन्होंने कुछ विद्यार्थियों को बिना यूनिफार्म के उपस्थित पाए जाने पर उनसे ड्रेस के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान डीपीसी श्री आरपी लखेर ने बताया कि पीएम श्री विद्यालयों में ब्लेजर की राशि शिक्षकां को आवंटित की गई है जबकि ड्रेस की राशि बच्चों के द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिभावको के बैंक खातो में 600-600 रूपए जमा किए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने स्मार्ट क्लास में पहुंचकर बच्चों के साथ बैठकर ऑन लाइन पढाने की प्रक्रिया को जाना है। उस समय गणित विषय की ऑन लाइन पढाई कराई जा रही थी कलेक्टर श्री सिंह ने सातवीं कक्षा के छात्र कुलदीप मोंगिया के साथ बैठकर बच्चों के अध्यापन कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से मुख्यतः प्रश्नोत्तरी संवाद कर कब स्कूल आते है खाना कब मिलता है। कौन-कौन से खेल खेलते है गाना कौन गा लेता है डांस कौन कर लेता है तथा पढाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को घूमाने के लिए क्या प्रक्रिया है को जाना है। इस दौरान उन्होंने स्मार्ट क्लास में मौजूद कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों से सामूहिक रूप से पूछा की देश में कितने राज्य है, मध्यप्रदेश में कितने जिले है आप कौन से जिले में रहते है इत्यादि प्रश्नो के हाजिर जबाव सुनकर कलेक्टर ने स्वंय तालियां बजाकर बच्चों का मनोबल बढाया और उन्होंने कहा कि स्कूल रोज आएं जहां पढाई में कहीं दिक्कत आती है तो गुरूजनों को अवश्य बताएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल परिसर में ऊंची-नीची भूमि के अंतर को स्पष्ट रूप से देखा जा सकें इसके लिए उन्होंने कलर से पोतने के निर्देश दिए है ताकि बच्चे खेल-कूद आने जाने के दौरान चोटिल ना हो सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने इससे पहले ग्राम सतपाडा में निर्माणाधीन नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य भवन के निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में तमाम सुविधाओ की पूर्ति निर्माण अवधि में ही पूर्ण कर ली जाए के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी को दिए है। कलेक्टर ने कहा कि भवन में सुरक्षात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए सीसी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के विभिन्न कक्षो में पहुंचकर निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने शमशाबाद के ग्राम रामपुर और करोंदिया में क्रियान्वित शासकीय कार्यक्रमों का जायजा लिया वही निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का अवलोकन किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने करोंदिया की शासकीय प्राथमिक शाला में बच्चों को मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है इसी प्रकार ग्राम में एक भी आंगनबाडी ना होने की मांग पर केन्द्र संचालन की प्रक्रिया शुरू कराने हेतु संबंधितो को निर्देशित किया है कलेक्टर श्री सिंह ने रामनगर में भी भ्रमण कर ग्रामीणजनों से संवाद किया और क्रियान्वित योजनाओं की क्रास मानिटरिंग की है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सगड़ हिनोतिया माली समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो का भी भ्रमण कर जायजा लिया है जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजना के तहत 109 गांवो को नल से जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

निजी चार पहिया वाहनों से आता है माल, सादी पर्चियों पर हो रहा लेनदेन,आखिकर क्यूँ मेहरबान है विभाग के आला-अफसर

दुकानदार खुल्लम-खुल्ला व धड़ल्ले से कर रहे जीएसटी की चोरी!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दुकानदारो से ग्राहकों द्वारा खरीदा गया सामान का ब्यापारियों द्वारा पक्का बिल न दिए जाने से ग्राहक चीजां का अधिक मूल्य चुकता करने में मजबूर है वही यदि खरीदी गई वस्तु खराब निकलती है तो वापसी में भी उसे कई परेशानियों का सामना करना पढता है दुकानदारों द्वारा ग्राहकों को कच्ची पर्ची पर लेखाजोखा करने से शासन को लाखों रूपये की हानि हो रही है।

सरकार ग्राहकों को जागरूक करने टीवी,रेडिओ समाचार पत्रों के माध्यम से जागो ग्राहक जागो का मिशन चलाकर खरीददारों को किसी भी सामान के खरीदने पर पक्का बिल लेने नहीं देने पर शिकायत करने सामान की खरीदी करने पर पक्का बिल लेना ना भूलें जो कि आपका हक है जैसे मिशन चलाकर खरीददारों को जागरूक बनाने का कम कर रही हे परन्तु इतना करने पर भी इन सब बांतो को खरीददारों पर कोई असर नहीं दिखाई देता नगर की लगभग सभी दुकानों में फिर चाहे वह रेडीमेड गारमेंट, की दुकान हो या कपड़ो, की या लोहे, सीमेंट. की या सोने, चांदी, इलेक्ट्रोनिक की किसी भी दुकान में खरीददार को पक्का बिल नहीं दिया जाता बस सारा लेनदेन कच्चे सादे कागज पर करके लाखों का व्यापार चल रहा हे जिसमे नगर के दुकानदार सरेआम जीएसटी की चोरी करके स्वंय तो दोगुना कमा रहे है और दुकानदार मालामाल हो खरीददार ठगे जा रहे है और आयकर विभाग को लाखों का चूना लगाया जा रहा हे वहां व्यापारियों ने ग्राहकों को बिल न मांगने की आदत लगा दी हे और खरीददार भी बिल न मांगकर व्यापारी से अपने संबंधो की दुहाई तो दे देता हे परन्तु ऐसा करने से उसके द्वारा खरीदे सामान पर जो टैक्स व्यापारी पर लगना होता है वह कच्चा बिल देने पर टैक्स चुकाने से बच जाता हे और इस तरह टैक्स चोरी की राशि सीधे व्यापारी की जेब में चली जाती हे खरीददार का इसमें कोई फायदा नहीं होता यही वजह से कि यहाँ के व्यापारी आयकर चोरी करके अकूत संपत्ति के मालिक बनकर बैठे है और नगर सहित ग्रामीण अंचलों के खरीददार संबंधो के आढ़ में ठगे जा रहे है ।

जागरूक नागरिको को दुकानदार द्वारा किए जा रहे इस फर्जीबाड़े के प्रति लोगों को सचेत करने के लिए आगे आना होगा .....नहीं मिलता पक्का बिल.... वैसे तो बहुत से प्रोडक्ट ऐसे होते है जिन पर सभी करो के साथ कीमत अंकित रहती हे परन्तु नगर में सभी किराना एवं जनरल स्टोर दुकानों पर दुकानदारो द्वारा एक चिट लगा दी जाती है जिस पर हाथ से कीमत लिखी होती है वही कीमत ग्राहकों से वसूली जाती हे अपनी मनचाही कीमत लेने के बाद भी व्यापारी ग्राहक को पक्का बिल नहीं देते वहीं किराना दुकानों पर कई ग्राहक कम मात्रा में फुटकर सामान खरीदते है जिन्हें दुकानदार कच्ची पर्चियों पर ही जोड़ घटाना कर ग्राहक के हाथ में थमा देते है।

सफल नहीं अभियान

सरकार ग्राहकों को जागरूक करने के उपायों को लेकर अभियानों के माध्यम से उन्हे किसी भी खरीद पर पक्का बिल लेने की सलाह अवश्य देती हे लेकिन इस तरह के अभियानों का असर कही भी दिखाई नहीं देता जिसके चलते जहाँ ग्राहक कच्चे बिल के माध्यम से चीजों का अधिक मूल्य अदा कर रहे' है वही दुकानों पर सामान की बापसी के समय ग्राहकों को समस्याओ का सामना करना पडता हे ।

पक्के बिल को लेकर दुकानदार होती है चिक्कलस

अगर कोई ग्राहक पक्का बिल मांगता भी है तो दुकानदार पक्का बिल नहीं देता और सामान देने से मना तक कर देता है संबधित विभागीय अधिकारी क्यूँ नहीं कर रहे इन दुकानदार पर कार्रवाही क्या इसमें इनकी भी मिलीभगत है।

इलेक्ट्रोनिक दुकानों पर होता लाखों का कारोबार

आमतोर पर शादी विवाह एवं पर्व के मोके पर इलेक्ट्रानिक कारोबार में तेजी आ जाती हे दुकानदार भरपूर फायदा उठाते हुए ग्राहकों को टैक्स का भय बताते हुए कच्ची पर्ची पर सामान बेचने से नहीं चूकते कम दामां के लालच में ग्राहक ऐसे दुकानदारों झासे में आ जाता हे जिस से वह ग्यारंटी पीरियड सामान के खराब होने पर रिपेयरिंग अथवा सामान बापसी के लिए दुकानदार पर दबाव नहीं बना पता ऐसे में दुकानदारो को जहाँ डबल मुनाफा' होता हे' वही ग्राहक अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता हे।

रेडीमेड के व्यवसाय में चल रहा गोलमाल

रेडीमेड व्यवसाय का पूरा कारोबार कच्ची पर्ची पर ही आधारित हे कपड़ो पर जहाँ दाम नहीं छपे होते वही दुकानदार ही पूरा जोड़ घटाना कच्ची पर्चियों पर ही करते है जिससे जहाँ उपभोक्ता ठगी का शिकार होने से नहीं बच पाता वही सरकार को भी मिलने बाले टैक्स की चपत लगती हे त्योहारों एवं शादी विवाह के मोके पर रेडीमेड व्यवसाय में दोगुने से चौगुना इजाफा हो जाता हे ऐसे में रेडीमेड व्यवसायी मोके का फायदा उठाते हुए लाखों की टैक्स चोरी करने में पीछे नहीं रहते ।

निजी चार पहिया वाहनों से आता है माल

अकसर यह भी देखा जाता है की कई व्यापारी व्यापार सम्बधित पद लेकर दुरूपयोग करते है अपने चार पहिया वाहनों के आगे अपना पद लिखवाकर उसमे प्रतिदिन गाडी में भरकर इंदोर एवं भोपाल, बीना से बिना पक्के बिल के मॉल सिरोंज लेकर आते है उस वाहन को इस वजह से चेक नहीं किया जाता कही इसमें कोई प्रभाव शाली नेता नाहो इस तरह से प्रतिदिन जीएसटी की चोरी करते है यह भी देखा जाता है की सिरोंज में मेन मार्केट छोड छोटी छोटी गलियों में थोक एवं रिटेल का कारोबार होता है ये इसलिये की जीएसटी से बच सके ।

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम का शुभारंभ

सिरोंज। विदिशा जिले के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वरदान बन रही है। किसानों को बुरे समय में फसल बीमा योजना का बहुत बड़ा सहारा होता है जब प्रकृति साथ छोड देती है तब फसल बीमा योजना किसानों की मदद के लिए तत्पर रहती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत मौसम रबी 2024-25 के लगभग 2,16,570 किसानों ने अपनी 3,21,198 हे0 भूमि की फसल का बीमा कराया गया है जो बुरे समय में किसानों को साथ देगा। मेरी पॉलिसी मेरे हाथ श्श् कार्यक्रम के अंतर्गत फसल बीमा योजना में बीमित हुए किसानों की पॉलिसी का वितरण एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के द्वारा प्रत्येक ग्राम में शिविर लगाकर 01 फरवरी 2025 से 15 मार्च 2025 तक कयि जाना निर्धारित किया गया है। सभी किसान भाई शिविर में उपस्थित होकर अपनी पॉलिसी प्राप्त करें।

मेट्रो एंकर सबसे अधिक फार्मर आइडी सिरोंज में बनी : विदिशा फार्मर आइडी का 56.14 प्रतिशत कार्य पूर्ण, जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर

आने वाले दिनों में आइडी से मिलेगा योजनाओं का लाभ, किसानों को लेनी होगी रुचि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में फार्मर आइडी बनाने का कार्य तेजी से जारी है। हालांकि, तकनीकी समस्याओं के कारण कुछ बाधाएं भी आ रही हैं। इसके बावजूद राजस्व विभाग के अधिकारी इस कार्य में जुटे हुए हैं। विदिशा जिला अब प्रदेश में 4जी स्थान पर पहुंच गया है, जबकि जिले को और भी ऊंचे पायदान पर लाने के लिए प्रयास जारी हैं।

विदिशा जिले में 240089 किसानों की फार्मर आइडी बनाने का लक्ष्य रखा गया था। इसमें से अब तक 134792 किसानों की आइडी बन चुकी है। इस तरह अब तक 56.14 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 105297 किसानों की आइडी बनना बाकी है।

सबसे अधिक फार्मर आइडी सिरोंज में बनी – कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को ततंसबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं और उन्हें शेष किसानों की फार्मर आइडी जल्द ही बना दी जाएं के कार्यों को शीघ्र अतिशीघ्र पूरा करें। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम लगातार कार्य कर रही है। अधिकारियों ने किसानों से भी अपील की है कि थे जल्द से जल्द अपने क्षेत्र के पटवारी या राजस्व विभाग से संपर्क कर अपनी फार्मर आइडी बनवाएं। इससे वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। जिले में सबसे अधिक फार्मर आइडी सिरोंज में बनी है जबकि सबसे कम विदिशा नगर में बनी है।

फार्मर आइडी – फार्मर आइडी के अन्नदाताओं को ये मिलेंगे लाभ... प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ इससे किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त होगी। कृषि से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ-किसान आसानी से सिंचाई, बीज, खाद, अनुदान और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। बार-बार सत्यापन की आवश्यकता नहीं होगी-एक बार आइडी बनने के बाद किसानों को सरकारी योजनाओं के लिए बार-बार दस्तावेज सत्यापन की परेशानी नहीं होगी। फसल क्षति की भरपाई- मौसम आपदा अन्य किसी करन से फसल को नुकसान होता है, तो सरकार की तरफ से किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। खेती से जुड़ी सभी जानकारी एक ही जगह उपलब्ध होगीरू किसानों को उत्पादन, आधुनिक कृषि तकनीक, बाजार मूल्य और सरकारी योजनाओं की एक प्लेटफार्म पर मिलेगी।

फार्मर रजिस्ट्री कृषि विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा –फार्मर रजिस्ट्री एक ऐसी प्रणाली है जिसमें किसानों के बारे में जानकारी संग्रहीत की जाती है, जैसे कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी, खेती की जानकारी, फसलों की जानकारी, और अन्य संबंधित विवरण। यह प्रणाली किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, और अन्य लाभों का लाभ उठाने में मदद करती है।

फार्मर रजिस्ट्री के लाभ – सरकारी योजनाओं का लाभ, फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण करने से किसान सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, और अन्य लाभों का लाभ उठा सकते हैं। खेती की जानकारीरू फार्मर रजिस्ट्री में किसानों की खेती की जानकारी संग्रहीत की जाती है, जिससे उन्हें अपनी खेती को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। फसल बीमा फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण करने से किसान फसल बीमा का लाभ उठा सकते हैं, जिससे उन्हें फसल की खराबी के मामले में मुआवजा मिलता है। कृषि विकासरू फार्मर रजिस्ट्री की मदद से सरकार किसानों की जरूरतों को समझ सकती है और कृषि विकास के लिए योजनाएं बना सकती है।

आधार कार्ड किसान का आधार कार्ड आवश्यक है। खेत की जानकारीरू किसान को अपने खेत की जानकारी देनी होती है, जैसे कि खेत का आकार, फसल की जानकारी, आदि। बैंक खातारू किसान का बैंक खाता आवश्यक है, ताकि सरकारी योजनाओं के लाभ को सीधे उनके खाते में जमा किया जा सके। फार्मर रजिस्ट्री के लिए पंजीकरण करना एक आसान प्रक्रिया है। किसान अपने निकटतम कृषि कार्यालय या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

बच्चों को मोबाइल नहीं रखने देते जोकोविच इस मसले पर पत्नी जेलेना से होती है बहस

नईदिल्ली, एजेंसी

24 बार के ग्रैंड स्लेम चैंपियन और दुनिया के नंबर चार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बच्चों की परवरिश को लेकर बेहद सख्त हैं। वह इस बात के बेहद खिलाफ हैं कि कम उम्र के बच्चों के पास मोबाइल होना चाहिए। इस वजह से उनकी अकसर अपनी पत्नी जेलेना के साथ बहस भी हो जाती है, लेकिन इसके बावजूद सर्बियाई खिलाड़ी अपने बच्चों के मोबाइल नहीं रखने देते। 37 वर्षीय जोकोविच के दो बच्चे हैं, जिसमें 10 वर्षीय बेटा स्टीफन और सात वर्षीय बेटी तारा है और इन दोनों के पास अभी तक मोबाइल नहीं है।

मानसिक तौर पर मजबूत होना जरूरी

सर्बियाई टेनिस स्टार ने कहा, बच्चों को फोन से दूर रखना और उन्हें समझाना आसान नहीं है लेकिन मैं चाहता हूं कि वह मानसिक तौर पर मजबूत बनें। दुनिया में हर कोई कुछ ना कुछ करता है और हम उसका अनुसरण करना शुरू कर देते हैं। दुनिया में अकसर ऐसा ही होता है लेकिन मैं इस सोच से अलग हूं। यही बच्चों को सिखाता हूं।

हमें दूसरों से अलग होना चाहिए

जोकोविच ने एक इंटरव्यू में बताया, मेरे बच्चों के पास मोबाइल फोन नहीं है। बच्चे शिकायत करते हैं कि उनके अलावा स्कूल में सभी के पास फोन हैं। लेकिन मैं अभी तक अपने फैसले पर अटल हूं क्योंकि मैं उन्हें यह सिखाना चाहता हूं कि उन बातों को नहीं मानना या अपनाना चाहिए, जिसके पीछे दुनिया चल रही है। हमें दूसरों से अलग होना चाहिए।

12 पदक के साथ मैडल टैली में टॉप 5 में

2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक सहित मप्र के खिलाड़ियों ने जीते 4 पदक

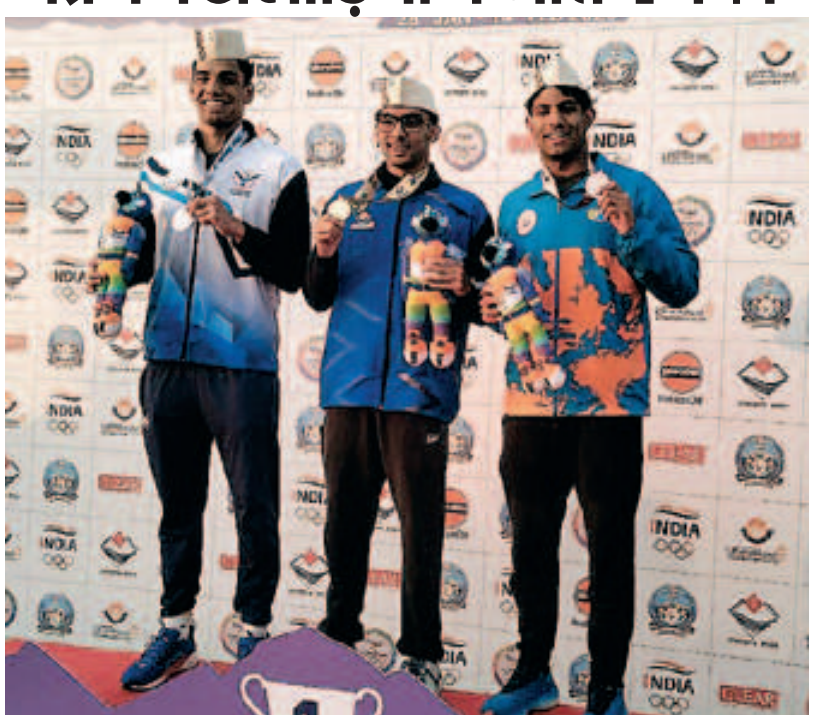

नईदिल्ली. एजेंसी

नेशनल गेम्स उत्तराखंड 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने वुशु खिलाड़ी प्रज्ञा यादव और वंशिका नामदेव को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। खेले गए मुकाबलों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए, जिससे प्रदेश की कुल पदक संख्या 5 स्वर्ण, रजत और 4 कांस्य हो गई। इस शानदार प्रदर्शन के साथ मध्य प्रदेश मैडल टैली में शीर्ष 5 स्थानों में बना हुआ है।

पदक विजेता : वुशु में प्रज्ञा यादव स्वर्ण पदक (ताईजी जियान, महिला वर्ग), वंशिका नामदेव स्वर्ण पदक (गुन्शु वुशु, महिला वर्ग, 7.72 अंक), संयोगिता सिंह कांस्य पदक (सांशो वुशु, महिला वर्ग), वहीं स्विमिंग में अद्वित पगे कांस्य पदक

अन्य प्रमुख परिणाम : वुशु में ट्विंकल भंडारी, नम्रता बत्रा और गीतांजलि त्रिपाठी फाइनल में पहुंचीं, मुकाबले कल होंगे। बॉक्सिंग में मलिका मोर ने राजस्थान की अंजलि गौर को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। डाइविंग में उत्कर्ष जोशी में 250.70 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, कांस्य पदक से मात्र 6.2 अंक दूर।

अंडर-19 महिला टी-20 क्रिकेट विश्व कप: सेमीफाइनल में नौ विकेट से जीत हासिल की

भारतीय टीम कल खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी

इंग्लैंड की चुनौती ध्वस्त कर भारतीय लड़कियां फाइनल में

कुआलालंपुर. एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारत ने यहां खेले जा रहे अंडर-19 महिला टी-20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड की टीम को 30 गेंद शेष रहते नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अब खिताब के लिए भारतीय टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी।पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 113 रन बना ही बना सकी। जवाब में भारतीय टीम ने 15 ओवर में एक विकेट पर 117 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

पारुनिका प्लेयर ऑफ द मैच

भारत की ओर से पारुनिका सिसोदिया ने 21 पर 3 और वैष्णवी शर्मा ने 23 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, आयुषी शुक्ला ने दो विकेट झटके। भारतीय गेंदबाजों का कहर इस कदर था कि इंग्लैंड की सात बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। परुनिका को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कमलिनी का अर्धशतक

114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की ओर से कमलिनी ने 50 गेंदों में आठ चौकों से नाबाद 56 रन बनाए। जी त्रिशा ने 29 गेंदों में पांच चौकों से 35 रन ठोके। द. अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने

ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से शिकस्त दी और पहली बार फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 105 रन ही बना सकी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने 18.1 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर जीत दर्ज की। अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में अजेय चल रही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में भी उम्मीद के अनुरूप खेल दिखाया. भारतीय लड़कियों ने इंग्लैंड को शुरू से ही झटके दिए. दो विकेट गिरने के बाद डेविना पेरिन (45) और एबी नॉरग्रोव (30) ने 44 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की उम्मीद जगाई, जो ज्यादा देर तक कायम नहीं रही. आयुषी शुक्ला ने इन दोनों को आउट कर भारत की वापसी करा दी. इसके बाद वैष्णवी शर्मा ने 3 विकेट झटककर इंग्लैंड को बड़े स्कोर से रोक दिया. इंग्लैंड को पहले दो झटके देने वालीं पारुलिका सिसोदिया ने अपने बाद के स्पेल में भी एक विकेट लिया. इस तरह उन्होंने भी वैष्णवी की तरह तीन विकेट अपने नाम किए.

मेट्रो बाजार

कंपनियों को ई-वाहनों की बैटरी समेत पार्ट्स पर भी देनी होगी वारंटी

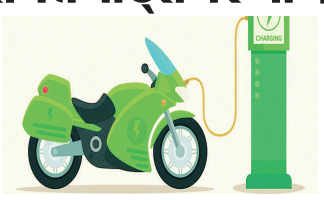

नईदिल्ली. एजेंसी

पीएम-ई ड्राइव योजना में प्रोत्साहन के साथ वारंटी पर जोर है। अधिसूचना में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी समेत अन्य पार्ट पर व्यापक वारंटी देनी होगी। वारंटी के न्यूनतम मानक भी निर्धारित किए गए हैं, जो हर कंपनी को अपनाने होंगे। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत अभी सिर्फ दोपहिया, ई-रिक्शा व ई-कार्ट और ई-तिपहिया एल-5 वाहनों पर सब्सिडी व वारंटी मिलेगी। ई-बस पर सीईएसएल के निर्धारित मानकों के हिसाब से वारंटी देना अनिवार्य किया गया है। ई-एंबुलेंस और ट्रकों के लिए न्यूनतम वारंटी से जुड़े नियम अभी निर्धारित किए जा रहे हैं। ईवी की संख्या तेजी से बढ़ाने के साथ अब सरकार का ध्यान वाहनों की क्षमता पर है। इसके लिए तीन श्रेणी में आने वाले वाहनों की वारंटी को किलोमीटर और वर्ष (अवधि) के हिसाब से तय किया गया है। अधिकारियों ने कहा, हम धीरे-धीरे वारंटी को व्यापक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ईवी को बढ़ावा देने के लिए शुरू फेम-1 योजना में वारंटी नहीं दी गई थी। उसके बाद फेम-2 में भी वारंटी की शर्तें तय नहीं थी, बाद में अधिसूचना अलग से जारी की गई, लेकिन इसमें बैटरी शामिल नहीं थी।

पीएम ई-ड्राइव के तहत 40 लाख से कम की आबादी वाले नौ शहरों में 14,028 ई-बसों को चलाया जाना है। इन बसों की खरीद पर योजना के तहत सब्सिडी दी जानी है, जिसे कीमत के हिसाब से निर्धारित किया गया है। दो करोड़ रुपए से कम कीमत वाली बसों पर ही सब्सिडी दिया जाएगा। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत सरकार अब टू-व्हीलर्स, थ्री-व्हीलर्स चार्जिंग स्टेशन लगाने पर सब्सिडी देगी। फेम योजना में चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए सब्सिडी का प्रावधान नहीं था। पर पीएम-ई ड्राइव में चार्जिंग स्टेशन के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। इसके तहत देशभर में 72,300 पब्लिक चार्रि्जंग स्टेशन लगाए गए हैं, जिनमें से 48,400 ईवी चार्रि्जंग स्टेशन टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स के लिए होंगे।

रिपोर्ट में दावा: साल 2035 तक इलेक्ट्रिक वाहनों में खर्च होगा कुल बिजली उत्पादन का 6 से 9 फीसदी हिस्सा

नई दिल्ली. एजेंसी

वैश्विक स्तर पर ईवी को अपनाने में इजाफा देखा जा रहा है। 2023 में, ईवी दुनिया भर में सभी प्रकार की कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा बन गए। इसमें चीन की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। ईवी के उपयोग में इस तीव्र वृद्धि का वैश्विक बिजली खपत पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। निवेश प्रबंधन फर्म एसेट मैनेजर होल्डिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन 2035 तक देश की बिजली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खपत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2035 तक भारत की कुल बिजली खपत में ईवी का हिस्सा 6 से 8.7 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। यह ईवी के बढ़ते उपयोग और पावर ग्रिड पर उनके प्रभाव को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, ईवी यानी इलेक्ट्रिक वाहन 2035 तक लगभग 6 से 8.7 प्रतिशत बिजली की खपत करेंगे। वैश्विक स्तर पर ईवी को अपनाने में इजाफा देखा जा रहा है। 2023 में, ईवी दुनिया भर में सभी प्रकार की कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा बन गया। इसमें चीन की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। ईवी के उपयोग में इस तीव्र वृद्धि का वैश्विक बिजली खपत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया कि ईवी की बढ़ती पहुंच के साथ, वैश्विक बिजली खपत में उनकी हिस्सेदारी 2023 में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2035 तक 8.1 प्रतिशत और 9.8 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। ईवी के उपयोग में यह वृद्धि इस बात का संदेश देती है कि भारत जैसे देशों को अपनी बढ़ती बिजली की मांग पूरी के लिए अपनेबुनियादी ढांचे को तैयार करने की जरूरत है। जैसे-जैसे अधिक लोग इलेक्ट्रिक वाहन अपनाते हैं, बिजली क्षेत्र को नई बिजली की जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता होगी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

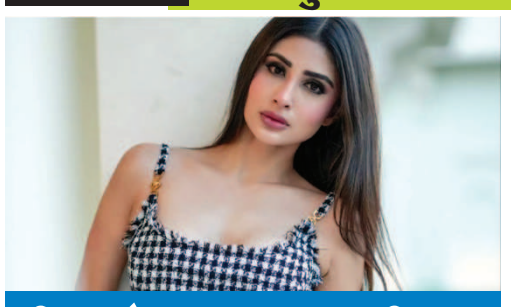

पिता से बगावत कर एक्टिंग करने निकली थी मौनी रॉय

पश्चिम बंगाल के कूच बिहार की रहने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज एक सफल एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं। वो टीवी से लेकर फिल्मों तक का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और आज वो बड़े पर्दे पर धमाल मचाती हैं। एक्ट्रेस ने जहां अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'नागिन' से की थी, वहीं उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म 'गोल्ड' से फिल्मों में एंट्री की। एक्ट्रेस को मुख्य तौर पर एकता कपूर के टीवी शो नागिन के लिए जाना जाता है। इससे वो घर-घर में पॉपुलर हो गईं। लेकिन, उनके बारे में ये बात बहुत कम लोग जानते होंगे कि मौनी ने अपने पिता के खिलाफ जाकर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। जी हां, आपने सही सुना। मौनी रॉय के पिता का सपना था कि उनकी बेटी आईएएस अफसर बने, लेकिन अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने पिता का सपना तोड़ दिया और एक्टिंग की दुनिया में आ गईं। दरअसल, एक्ट्रेस के बारे में ये सारी बातें हम उनके जन्मदिन के मौके पर बता रहे हैं। एक्ट्रेस 38 साल की हो गई हैं। उनका जन्म 28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल में हुआ था।

मौनी रॉय पहले पत्रकार बनना चाहती थीं

मौनी रॉय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता का सपना था कि वह आईएएस अधिकारी बनें। लेकिन एक्ट्रेस बचपन से ही हीरोइन बनना चाहती थीं, लेकिन जब वह दिल्ली आईं तो उन्होंने पत्रकार बनने की कोशिश शुरू कर दी। इसके लिए उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया में मास कम्युनिकेशन में एडमिशन भी लिया। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और अपने सपनों को पंख देने के लिए मुंबई का रुख किया. मुंबई आने के बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की पहली सीढ़ी चढ़ी. उन्होंने बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करना शुरू किया। इसके बाद मौनी को एकता कपूर का टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी मिला। इसमें उन्होंने तुलसी का किरदार निभाया. हालांकि, इससे उन्हें ज्यादा लोकप्रियता नहीं मिली. इंडस्ट्री में लोग उनके काम को पहचानने लगे। फिर, मौनी रॉय को एकता कपूर का दूसरा टीवी सीरियल नागिन मिला। इसने उनकी किस्मत बदल दी। इस शो से एक्ट्रेस घर-घर में मशहूर हो गईं. इसमें लोगों ने उन्हें नागि के किरदार में काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और महादेव, कस्तूरी, दो सहेलियां और जुनून- ऐसी नफरत तो इश्क कैसा में काम किया।

एक्ट्रेस अनन्या पांडे बोली- आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत

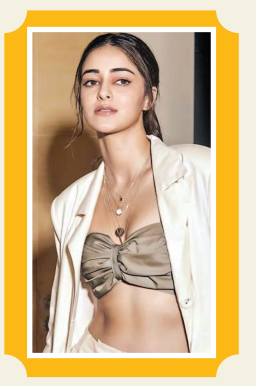

अनन्या पांडे हिंदी फिल्मों के दुनिया की एक जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से एक हैं, जिन्हें काफी चर्चा मिलती हैं। वह बीते कुछ समय से लगातार अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू ओटीटी सीरीज कॉल मी बे को लेकर वह काफी चर्चा में रही थीं। अब वह नेटफ्लिक्स की अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर करने को लेकर बात की है। अपने पांच साल के फिल्मी करियर में अनन्या पांडे बॉलीवुड की सबसे चर्चित स्टार किड्स में से एक बन गई हैं। उन्होंने खो गए हम कहां, लाइगर, पति पत्नी और वो आदि कुछ फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हाल में ही उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू में आइटम नंबर करने को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के कई और तरीके हैं। उन्होंने कहा कि डांस नंबर के इरादे के आधार पर अपना फैसला लेंगी। उन्होंने आगे कहा उन आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है और ऐसे कई तरीके हैं जिनके माध्यम से इसे एक अलग और महत्वपूर्ण रूप में दिखाया जा सकता है। 'कॉल मी बे' स्टार ने कहा कि अगर उनका किरदार एक सशक्त लड़की का है, उसे बहुत ज्यादा अश्लील नहीं बनाया जा रहा है, तो वह आइटम नंबर कर सकती हैं। अगर उनके किरदार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, तो वह इसे करने से मना कर देंगी।

सचिन की बेटी श्रिया बोलीं- परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई

सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया की बेटी श्रिया ने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग प्रोफेशन को ही चुना। श्रिया मानती हैं कि उनकी परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई है। एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' से की। हिंदी फिल्मों में शाहरुख खान की 'फैन' में बड़ा मौका मिला। लेकिन वेब सीरीज में ज्यादा कामयाबी मिली है। श्रिया की 'ताजा खबर' का दूसरा सीजन डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो चुका है। श्रिया बोली सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि पहले से और क्या बेहतर किया जा सकता है। 'मिर्जापुर' के बाद 'ताजा खबर' की काफी चर्चा रही है। हम दर्शकों का फीडबैक लेते हैं और कुछ बेहतर करने की कोशिश करते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं था कि सीजन वन हिट हो गया तो कुछ भी बना लें। इस बार थोड़ा एक्शन है और मुझे भी एक्शन करने का मौका मिला है। वैसे भी मुझे एक्शन करना पसंद है। ऐसा लोगों को लगता है कि पेरेंट्स एक्टिंग फील्ड से हैं तो एक्टिंग ही में दिलचस्पी होगी। ऐसा होता होगा, लेकिन मेरे मामले में ऐसा नहीं था। मेरी दिलचस्पी दूसरे कामों में बहुत थी। मुझे फिल्म मेकिंग और कहानियां कहने में बहुत दिलचस्पी थी। मैं तो फिल्म मेकिंग का कोर्स कर रही रही थी। श्रिया ने बताया कि फिल्म मेकिंग की कोर्स के साथ-साथ थिएटर भी करने लगी थी। पहली बार एक फेस्टिवल के लिए 10 मिनट का नाटक किया।

गायत्री फूड कंपनी की डायरेक्टर को आया होश, आज होंगे बयान

भोपाल। चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती जयश्री गायत्री फूड कंपनी की डायरेक्टर पायल मोदी को बीती रात होश आ गया है। बुधवार को पायल और उनके पति किशन मोदी की कंपनी के 9 ठिकानों पर ईडी ने छापामार कार्रवाई की थी। इससे परेशान होकर गुरुवार की शाम को पायल ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। घटना के बाद पायल का लिखा हुआ एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत करीब आधा दर्जन लोगों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। आज पुलिस पायल के बयान दर्ज कर सकती है। शाहपुरा निवासी पायल मोदी को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची चूनाभट्टी पुलिस ने पूछताछ करने के प्रयास किये थे, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण बयान नहीं हो पाए थे। पायल को आईसीयू में रखा गया था। उन्होंने परिवार वालों से कुछ बातचीत भी की है। डॉक्टरों ने फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है। परिजनों की तरफ से चार पन्ने का एक पत्र पुलिस को सौंपा है, जिसे पायल के बयान के बाद जांच में शामिल किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि इस पत्र को सुसाइड नोट नहीं कहा जाना चाहिए। पायल की कंपनी पर ईडी की कार्रवाई हुई थी, जिसकी जांच ईडी द्वारा की जा रही है. जहर खाने के मामले में बयान के बाद पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

एक साल की बेटी को सुलाकर नवविवाहिता सोई मौत की नींद

भोपाल। बैरागढ़ कला में गुरुवार सुबह एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मायके पक्ष ने पति पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी बैरागढ़ को सौंपी गई है। अग्रिम जांच एसीपी द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार वर्षा रजक पति सुनील रजक (24) गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव अकोदिया की रहने वाली थी। उसकी शादी दिसंबर 2022 में बैरागढ़ कला निवासी सुनील रजक से हुई थी। सुनील बर्तन की दुकान में काम करता है। वर्षा और सुनील की एक साल की बेटी है। सुनील के साथ उसकी बहन और जीजा मकान के कुछ हिस्से में रहते हैं। सुनील ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह वह काम पर निकल गया था। वर्षा घर में बेटी के साथ थी। सुबह करीब 11 बजे बहन ज्योति किसी काम से बाहर चली गई। वहां से लौटी तो उसने देखा कि वर्षा की एक साल की बेटी सोयी हुई थी, लेकिन वर्षा नजर नहीं आ रही थी। वह वर्षा को देखने छत पर पहुंची तो उसके होश उड़ गए। वर्षा ऊपर निर्माणाधीन मकान के लिए बनाए गए कॉलम की रॉड पर फांसी के फंदा बनाकर फांसी लगा चुकी थी। ज्योति ने तत्काल वर्षा को फंदे से उतारकर भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया था। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला। मायके से पहुंचे वर्षा के परिजन ने सुनील पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए है।

युवक ने जंगल में फांसी लगाकर दी जान, मर्ग दर्ज

भोपाल। गुनगा इलाके में रहने वाले एक युवक ने जंगल में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी गई है। फिलहाल खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के मुताबिक प्रीतम सिंह मेहर (40) ग्राम सेमरी पठार का रहने वाला था और मेहनत मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी के अलावा एक ल?की और दो ल?के हैं। बुधवार को वह मवेश चराने के लिए सेमरीकला के जंगल गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। गुरुवार सुबह परिजन उसकी तलाश में पहुंचे तो वह जंगल में लगे सागौन के पे? पर फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। घरवालों के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा होगा।

घर के सामने खड़ी कार के टायर पार

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित शिवाजी नगर में अज्ञात बदमाश घर के सामने खड़ी किया सेल्टोस कार के दो टायर चुराकर ले गए। आरोपियों ने कार को पत्थरों पर टिका दिया था। राजधानी में लग्जरी कार से टायर चोरी होने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पूर्व हबीबगंज में दो डॉक्टरों की लग्जरी कार से टायर चोरी की वारदात हो चुकी है। अनुमान है कि टायर चुराने वाला गिरोह सक्रिय है और गिरोह रुक रुककर वारदात को अंजाम दे रहा है। पुलिस के अनुसार श्रीकृष्ण देव सिंह शिवाजी नगर में रहते हैं और शासकीय नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि बुधवार रात उन्होंने अपनी किया सेल्टोस कार घर के सामने ख?ी की थी। अगले ही दिन सुबह उनकी नजर प?ी तो कार के दो टायर चोरी हो चुके थे। कार के टायर चुराने के बाद चोर पत्थर पर कार टिकाकर फरार हो चुके थे। उन्होंने घटना की शिकायत एमपी नगर थाने पहुंचकर की है।

सब्जी मार्केट में से मोबाइल चोरी

भोपाल। गोविंदपुरा थानांतर्गत शुक्रवारा मार्केट में सब्जी खरीदने पहुंचे अभिजीत मिश्रा की जेब से किसी ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 6 हजार रुपये बताई गई है। इसी प्रकार शिवाजी नगर में रहने वाले पुलिस कर्मचारी कृष्णदेव सिंह के घर के बाहर ख?ी कार के दो पहिये बदमाश चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक की बाइक चोरी शाहजहांनाबाद थानांतर्गत मंदर इंडिया कालोनी में रहने वाला अमन अहीर (23) मेडिकल दुकान पर काम करता है। बीती सत्ताईस जनवरी की रात करीब सा? ग्यारह बजे उसने अपनी बाइक फिटनेट सेंटर के सामने ख?ी की और घर चला गया। अगली सुबह पहुंचा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उसने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। चोरी गई बाइक की कीमत दस हजार रुपए बताई गई है।

पेट्रोल पंप के सामने खड़ा डंपर चोरी: भोपाल। नजीराबाद में पेट्रोल पंप के सामने खड़ा एक डंपर चोरी हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी कृष्णा सिंह ठाकुर ने बताया कि नजीराबाद निवासी हटे सिंह सोलंकी डंपर चलवाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपना एक डंपर नजीराबाद स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने ख?ा किया था। गुरुवार सुबह पहुंचे तो पता चला कि डंपर गायब है। आसपास तलाश करने के बाद भी जब डंपर का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की टीम डंपर चोरी करने वालों की तलाश में लगाई गई है।

गांधी नगर, ब्यावरा पुलिस समेत चार शासकीय वाहनों को किया क्षतिग्रस्त, पचोर में डीजल खत्म होने पर पकड़ा

वीडी के काफिले में घुसा ट्रक 100 किलोमीटर पीछा कर पकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एयरपोर्ट जा रहे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के काफिले में ट्रक ड्राव्इर ट्रक लेकर घुस गया। आरोपी ट्रक ड्राइवर को गांधी नगर पुलिस ने स्टापर लगाकर रोकने का प्रयास किया। वह रुक भी गया, लेकिन ट्रक से उतरने की बजाय स्टापर तोड़ते हुए भागने लगा। भागने की फिराक में आरोपी ट्रक ड्राइवर ने स्टापर के पास खड़े पुलिसकर्मियों को भी कुचलने का प्रयास किया। लिहाजा आरोपी का पीछा करते हुए गांधी नगर पुलिस पचोर तक पहुंच गई। पचोर में डीजल खत्म होने पर आरोपी का ट्रक रुका तब जाकर पुलिस ने उसे दबोचा। इस दौरान उसके साथ मौजूद क्लीनर भागने में कामयाब हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर पर चार अलग अलग थानों में एफआईआर दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार रात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का काफिला एयरपोर्ट जा रहा था। इस दौरान रास्ते में एक ट्रक ड्राइवर काफिले में घुस गया। काफिले में ट्रक डालने के बाद ट्रक ड्राइवर ने लापरवाहीपूर्वक ट्रक चलाने लगा और वीडी शर्मा की कार को टक्कर लगते लगते बची। काफिले में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल घटना की जानकारी कंट्रोल रूम पर दी। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही गांधी नगर पुलिस ने थाने के पास स्टापर लगाकर ट्रक रात करीब सवा 9 बजे उसे रोक लिया। ट्रक चालक ट्रक समेत रुक गया। उसे नीचे उतारने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे नहीं उतर रहा था। इसी बीच उसने ट्रक एकाएक बढ़ा दिया और स्टापर तोड़ते हुए भागने लगा। पुलिस ने उसका थाना मोबाइल वाहन से पीछा किया, लेकिन वह तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए भागने लगा। उसे परवलिया सड़क में रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर को रोकने पुलिस ही नहीं बल्कि रास्ते से गुजर रहे अन्य लोगों ने भी प्रयास किया। आरोपी किसी भी वाहन को आगे नहीं निकलने दे रहा था और ट्रक लहराकर चला रहा था। पुलिस को लगा कि वह किसी के वाहन को टक्कर न मार दे।

वीडी की कार को टक्कर मारने का प्रयास

कारकेड में घुस गया था नो एंट्री में ट्रक, बड़ा हादसा होत-होते बचा

गांधी नगर, परवलिया, ब्यावरा देहात पुलिस समेत चार एफआईआर

ब्यावरा टोल पर भी नहीं रुका बदमाश

वायरलेस सेट पर जानकारी मिलने के बाद परवलिया और दौराहा में पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को रोकने का प्रयास किया, पर प्रयास असफल रहा। ब्यावरा टोल पर ट्रक ड्राइवर नाके के स्टापर तो?ते हुए भाग निकला। टोल के पास पुलिस ने घेराबंदी की और ब्यावरा देहात पुलिस, देवग? थाना पुलिस समेत डायल 100 की गाड़ियों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह गा?यों को क्षतिग्रस्त करते हुए भागने लगा। अंत आरोपी ट्रक ड्राइवर पचोर में रुका। दरअसल, ट्रक का डीजल खत्म हो गया था।

ट्रॉले की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुआ ऑटो

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में एक तेज रफ्तार ट्राला चालक ने आटो में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आटो में सवार किसी को चोट नहीं आई है, लेकिन आटो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सुशील भारती (32) ग्राम जमुनिया छीर थाना खजूरी सड़क पर रहता है और किराए पर आटो लेकर चलाता है। गुरुवार को वह आटो लेकर ग्राम जमनी पड़ली अपने मामा के गांव गया था। वापस घर लौट रहा था तूमड़ा जोड़ के पास सीहोर से भोपाल की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्राले ने दाहिनी तरफ से टक्कर मार दी, जिससे आटो क्षतिग्रस्त हो गया।

व्यापारियों का डेली कलेक्शन का रुपया लेकर दंपती फरार

80 फीट रोड पर मध्य भारत फायनेंस कंपनी का संचालन करते थे शहजाद और सीमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित अस्सी फीट रोड पर मध्य भारत फायनेंस कंपनी चलाने वाले दंपती ने सैकड़ों व्यापारियों को चूना लगा दिया। आरोपी दंपती किसी को दो लाख तो किसी किसी का ढाई लाख रुपए लेकर फरार हुए है। अभी तक डेढ़ दर्जन लोगों ने पुलिस को दंपती की शिकायत की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ लगातार शिकायतें आ रही है। यह आंकड़ा बढ़कर लाखों रुपए तक पहुंच सकता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

एसआई विजय भामरे ने बताया कि हरिओम पाटीदार पिता राजमल पाटीदार (45) करोंद में रहते हैं और अशोका गार्डन में व्यवसाय करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अस्सी फीट रोड पर मध्य भारत फायनेंस कंपनी का संचालन करने वाले शहजाद खान और उसकी पत्नी सीमा खान द्वारा डेली डायरी पर एंट्री कर कलेक्शन किया जाता था। छोटे व्यापारी प्रतिदिन इन्हें और एजेंट को डायरी में एंट्री कर रुपए देते थे। गत दिनों पता चला कि शहजाद खान और सीमा खान ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया है और आफिस भी बंद कर फरार हो गए हैं। आरोपी दंपती करीब तीन सौ से अधिक छोटे व्यापारियों का डेली कलेक्शन का रुपए लेकर फरार हुए है। व्यापारियों ने धोखाधड़ी की शिकायत अशोका गार्डन थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने उक्त मामले में आरोपी दंपती के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

डीजीपी ने साइबर सुरक्षा अभियान शुरू किया

1 से 11 तक चलेगा अभियान जनसंवाद के साथ होंगे अनेक कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा समाज में सायबर अपराधों एवं हिंसा की रोकथाम और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सायबर सुरक्षा जन जागरुकता अभियान (सेफ क्लिक) चलाया जा रहा है। डीजीपी मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में शुक्रवार को पोस्टर एवं प्रचार- प्रसार सामग्री का विमोचन किया। इस प्रदेश व्यापी अभियान की मॉनीटरिंग एडीजी सायबर सेल योगेश देशमुख एवं अधीनस्थ अमले द्वारा की जाएगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान में सामुदायिक पुलिसिंग की सक्रिय सहभागिता के लिए भी कहा गया है। अभियान के तहत विशेष रूप से छात्रों को जागरूक किया जाएगा। 11 फरवरी तक होंगे कार्यक्रम इस अभियान में एक फरवरी से 11 फरवरी तक सुरक्षित क्लिक- सुरक्षित जीवन थीम पर सर्वव्यापी जागरूकता अभियान पूरे प्रदेश में संचलित किया जा रहा है। अभियान में नुक्कड़ नाटक, प्रश्नावली, लघु फिल्म,पोस्टर्स, जनजागरूकता रैली आयोजित की जाएगी। इसमें सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक स्टॉफ, स्वंयसेवी संस्थाओं सहित स्थानीय इंफ्लूएंसर का सहयोग लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में पूरे देश में साइबर अपराध और सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ रहे हैं। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, साइबर बुलिंग, फिशिंग अटैक, हैकिंग और गलत सूचना फैलाने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। इसी परिपेक्ष्य में पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर यह अभियान सोशल मीडिया, इंटरनेट का सुरक्षित और सकारात्मक उपयोग हेतु एक 11 दिवसीय अनूठा अभियान है। अभियान का उद्देश्य इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को साइबर सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना है। इसके तहत स्कूलों और कॉलेजों में सार्वजनिक संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें इंटरनेट उपयोग की सुरक्षित प्रथाओं, साइबर सुरक्षा और दैनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार के महत्व पर सार्थक चर्चा की जाएगी।

विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जो नागरिकों को इंटरनेट सुरक्षा के प्रति सजग बनाने और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों को साझा करने का अवसर प्रदान करेंगे। इस पहल के माध्यम से आम जनता में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की कोशिश की जाएगी। बैनर और पोस्टर प्रदर्शन सेफ क्लिक अभियान के दौरान पुलिस थानों, यूनिट मुख्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर सूचना संबंधी बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे।

रिटायर्ड अफसर का मोबाइल छीनकर भागे बदमाश

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित रामेश्वरम कॉलोनी में गुरुवार रात घर के बाहर टहल रहे वन विभाग के रिटायर्ड अधिकारी के हाथ से स्कूटर सवार लुटेरो ने मोबाइल झपट लिया। घटना के समय एक बदमाश स्कूटर स्टार्ट करके दूर खड़ा हुआ था, जबकि दूसरा पैदल चलते हुए अफसर के पास पहुंचा और मोबाइल छीनकर स्कूटर पर बैठ गया। इसके बाद दोनों लुटेरे दीक्षा नगर की तरफ स्कूटर लेकर भाग निकले। पुलिस के अनुसार आईएफएस अनिरुद्ध कुमार (65) वन विभाग से रिटायर हैं। वह परिवार के साथ रामेश्वरम कालोनी में रहते हैं। गुरुवार रात करीब 9 बजे वह खाना खाने के बाद अपने घर के पास टहल रहे थे। इस दौरान उनके मोबाइल पर कॉल आया और वह टहलते हुए बातचीत करने लगे। इस बीच एक बदमाश उनके पास पहुंचा और मोबाइल छीनकर स्कूटर लेकर दूर खड़े साथी के साथ बैठकर भाग निकला। एकाएक वारदात होने के कारण वह स्कूटर का नंबर और आरोपियों का हुलिया ठीक से देख नहीं सके।

मेट्रो एंकर अशोका गार्डन इलाके से पिछले दिनों गायब हो गई थी नाबालिग लड़की

मानव दुर्व्यापार के मामले में 26 आरोपी चिन्हित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन इलाके से लापता हुई एक नाबालिग लड़की के मामले में मानव दुर्व्यापार और वैश्यावृत्ति का केस दर्ज किया गया है। इस मामले में कुल 26 आरोपियों को चिन्हित किया गया है, जिसकी गिरफ्तारी पूर्व में क्राइम ब्रांच और शाहपुरा थाना पुलिस द्वारा की जा चुकी है. जानकारी के अनुसार अशोका गार्डन इलाके में रहने वाली 15 साल की एक किशोरी 2 साल पहले 21 जनवरी 2023 को घर से बगैर बताए लापता हो गई थी. पुलिस टीम ने उसे 23 जनवरी 2024 को अशोक नगर के ईसागढ़ से दस्तयाब किया था. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का देहांत हो चुका है, जबकि पिता ने पहले ही छोड़ दिया था, इसलिए वह अपने मामा के साथ रहती थी. इस दौरान उसकी पहचान सलमान नामक युवक से हुई थी. सलमान ने उसे कमीशन लेकर आशुतोष, और महक के हवाले कर दिया था. इन दोनों ने उसे देह व्यापार में उतार दिया और गलत उम्र बताकर शादी भी करवा दी थी. जांच के बाद पुलिस ने आशुतोष, महक, मिथलेश, निधि ठाकुर, शशांक, डिम्पी, मकबूल, अर्जुन, निशांत, नवेद, अंजलि, योगेश, कुलदीप, रितुल, सुरेन्द्र, इंद्रबहादुर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. प्रकरण से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं.

उधर 15 साल की किशोरी के गुम होने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण का मामला दर्ज किया था। थाने के एसआई पवन सेन द्वारा अनुसंधान किया जा रहा था। अनुसंधान में अपहर्ता को दिनांक 23 जनवरी 2025 को थाना ईसागढ़ क्षेत्र जिला अशोक नगर से दस्तयाब किया गया। अपहर्ता ने बयान में बताया की उसकी मां का स्वर्गवास हो गया है। पिता मां को पूर्व में ही छोड़ चुके थे। लिहाजा वह मामा के पास रह रही थी। मामा से प्रताड़ित होने पर वह सलमान के संपर्क में आ गई। सलमान ने अपहर्ता को दंपती आशुतोष वाजपेयी एंव पत्नी महक यादव को देह व्यापार करवाने एवं कमीशन की राशि प्राप्त करने के लिए सुपुर्द किया था। जिनके द्वारा अपहर्ता से देह व्यापार कराया गया। बाद में प्रकरण में अन्य आरोपियों ने अपहर्ता को देह व्यापार में धकेल दिया। आरोपियों ने अपहर्ता का नाम पता और उम्र गलत बताकर उसकी शादी कराकर दो लाख रुपए ले लिए। प्रथम दृष्टया मामला मानव दुर्व्यापार का पाया गया। उल्लेखनीय है कि थाना अशोकागार्डन के अपराध क्रमांक 39/23 धारा 363 भादवि ईजाफा धारा 366ए, 376, 376(2) एन 376(च) 370,120बी, भादवि ,3/4 पाक्सो एक्ट के मुख्य आरोपी आशुतोष बाजपेयी ,महक यादव पूर्व में भी क्राईम ब्रांच एंव थाना शाहपुरा में मानव दुव्यार्पार एंव वेश्यावृत्ति के प्रकरण में अन्य आरोपीयो के साथ गिरफ्तार हो चुके हैं।

नशे में धुत 80 फीट ऊंचे टॉवर पर चढ़ा

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी अंडर ब्रिज के पास गुरुवार दोपहर एक युवक मोबाइल टॉवर पर च? गया। वह नशे में था और ऊपरी छोर पर चढ़कर टॉवर को हिलाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने पुलिस और नगर निगम को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की समझाईश के बाद युवक नीचे सुरक्षित उतर आया। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे एक युवक बरखेड़ी अंडर ब्रिज के पास लगे मोबाइल टॉवर पर चढ़ने लगा। स्थानीय लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना तो लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और नगर निगम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम के साथ ही एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। उस वक्त मौके पर काफी भीड़भाड़ जमा हो गई थी। पुलिस और बचाव दल ने उसे नीचे उतरने के लिए समझाईश दी। समझाईश के बाद युवक धीरे-धीरे नीचे उतर आया। युवक का नाम विवेक ठाकुर निवासी ऐशबाग बताया गया है। विवेक कुछ देर और नीचे नहीं आता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022